सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 274 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 17 जुलाई 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मिडिल स्कूल में छठवीं कक्षा का छात्र चाकू लेकर पहुंचा, शिक्षकों में दहशत का माहौल

गरियाबंद। जिले के फिंगेश्वर ब्लॉक मुख्यालय के अंतर्गत ग्राम सरकड़ा स्थित मिडिल स्कूल में सुरक्षा व्यवस्था की बड़ी चूक सामने आई है। यहां कक्षा छठवीं के एक नाबालिग छात्र के दो दिनों तक चाकू लेकर स्कूल आने की घटना से स्कूल परिसर में भय और दहशत का माहौल बन गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार छात्र ने अपने सहपाठियों को चाकू दिखाकर डराया-धमकाया और एक महिला शिक्षिका की हत्या की धमकी भी दी। जब यह जानकारी स्कूल प्रबंधन को मिली तो प्रधान पाठिका लता सोनी ने तुरंत छात्र के बैग की तलाशी ली, जिसमें से चाकू बरामद किया गया।

दो बच्चों की संदिग्ध मौत घटना की गंभीरता को देखते हुए स्कूल प्रबंधन ने ग्राम सरपंच और अन्य जनप्रतिनिधियों को सूचित किया। इस बीच, घटना का वीडियो वायरल हो गया, जिससे मामला और तूल पकड़ गया। सूचना मिलने पर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रामेन्द्र जोशी और फिंगेश्वर पुलिस मौके पर पहुंचे। उन्होंने नाबालिग छात्र और उसके पिता को कड़ी समझाइश दी और मामले की जांच शुरू की। यह घटना न केवल विद्यालयों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि कम उम्र में बच्चों में बढ़ती हिंसक प्रवृत्तियों पर समय रहते ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। शिक्षा विभाग, स्कूल प्रशासन और अभिभावकों को मिलकर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

स्टेशन मास्टर ने चुना मौत का रास्ता, सुसाइड से हड़कंप

रायपुर। डिप्रेशन में एक ऑन ड्यूटी स्टेशन मास्टर के सुसाइड करने की घटना सामने आई है। ये घटना छत्तीसगढ़ के गुदुम रेलवे स्टेशन की बताई जा रही है। सूचना मिलने के बाद रायपुर रेल मंडल के तमाम अधिकारी गुदुम रवाना हो गए है. जानकारी के मुताबिक स्टेशन मास्टर एसएल ठाकुर 16 जुलाई को रात 8:00 बजे से ड्यूटी पर थे। इस बीच रात करीब 12 बजे उन्होंने मालगाड़ी के सामने आकर सुसाइड कर लिया। उनको जानने वाले लोग बताते है कि वे पिछले कुछ दिनों से काफी स्ट्रेस में थे और ज्यादा किसी से बातचीत नहीं करते थे। सूत्रों के मुताबिक ऐसी आशंका है कि वे कर्ज से परेशान थे।

आरक्षक ने की खुदकुशी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में गुरुवार को दो आत्महत्या के मामले सामने आये है। पहला मामला जगदलपुर का है। यहाँ परपा थाना के पीछे स्थित शासकीय क्वार्टर में रहने वाले 42 वर्षीय आरक्षक संदीप बाकला ने गुरुवार की सुबह अपने ही कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी और एसडीओपी मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजते हुए आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य व्यवस्था और होगी सशक्त : सीएम साय की पहल पर हेल्थ डिपार्टमेंट को मिले 151 वाहन

प्रदेश को शीघ्र मिलेंगे 851 नए एंबुलेंस, प्रधानमंत्री जन मन योजना के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए होगी एंबुलेंस की विशेष व्यवस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के कोने-कोने तक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण हेतु राज्य सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। भरोसेमंद चिकित्सा सुविधा आमजन तक पहुँचाने की दिशा में उठाया गया यह कदम ऐतिहासिक है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरुवार को अपने निवास परिसर से मैदानी स्वास्थ्य अमले के लिए 151 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न जिलों के लिए रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इन वाहनों के माध्यम से बस्तर और सरगुजा क्षेत्र के सुदूर अंचलों में भी लोगों को समय पर प्रभावी उपचार मिल सकेगा। यह 'स्वस्थ छत्तीसगढ़' की दिशा में एक सशक्त पहल सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य व्यवस्था को सशक्त और सुलभ बनाने की दिशा में आज एक नया अध्याय जुड़ गया है। पुराने, अनुपयोगी हो चुके वाहनों को स्क्रैप कर उनकी जगह अत्याधुनिक नए वाहन शामिल किए गए हैं। यह पहल राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन, समयबद्ध निरीक्षण और निगरानी को भी गति प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जिला और विकासखंड स्तर पर कार्यरत अधिकारियों एवं मैदानी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए उपलब्ध कराए जा रहे वाहनों से नियमित निरीक्षण, स्वास्थ्य शिविरों की निगरानी, दूरस्थ अंचलों तक त्वरित पहुँच और आपातकालीन परिस्थितियों में समयबद्ध हस्तक्षेप संभव हो सकेगा। इससे राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का संचालन अधिक प्रभावी और गतिशील होगा तथा राज्य में स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली और अधिक सक्रिय, उत्तरदायी और परिणामोन्मुखी बनेगी। यह पहल प्रदेश के संपूर्ण स्वास्थ्य तंत्र को गति देने का कार्य करेगी।

सभी जिलों को चरणबद्ध रूप से उपलब्ध कराए जाएंगे वाहन

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों को ये वाहन चरणबद्ध रूप से उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रथम चरण में बस्तर और सरगुजा संभाग के 12 जिलों को ये वाहन भेजे जा रहे हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि शीघ्र ही प्रदेश में 851 नवीन एंबुलेंस सेवाएं शुरू की जाएंगी, जिनमें से 375 एंबुलेंस 108 आपातकालीन सेवाओं के लिए, 30 एंबुलेंस ग्रामीण चलित चिकित्सा इकाइयों के लिए तथा 163 'मुक्तांजली' शव वाहन नि:शुल्क सेवा के अंतर्गत दी जाएंगी।

विशेष पिछड़ी जनजातियों के जल्द होगी 30 एंबुलेंस की व्यवस्था

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनजातीय समुदायों के उत्थान हेतु समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री 'जन मन योजना' के तहत विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए 30 एंबुलेंस की व्यवस्था भी शीघ्र की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब वर्षा ऋतु जैसे चुनौतीपूर्ण समय में भी राज्य सरकार घर-घर स्वास्थ्य सेवा पहुँचाने के अपने संकल्प को पूरी तत्परता से पूर्ण कर सकेगी। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी और इस दिशा में निरंतर प्रतिबद्धता दोहराई।

स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने कर रहे कार्य

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार पूरी क्षमता के साथ स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर कार्यरत है। उन्होंने स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत बनाने हेतु सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी तथा मैदानी स्वास्थ्य अमले को इस विशेष सौगात के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के, वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज, स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, आयुक्त डॉ. प्रियंका शुक्ला सहित बड़ी संख्या में अधिकारीगण एवं गणमान्यजन उपस्थित थे।

पहचान का फायदा उठाकर महिला से ठगी कार फाइनेंस करवाकर फरार हुआ शख्स

मोहन नगर थाना क्षेत्र का मामला, आरोपी की तलाश में पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महिला से जान पहचान का फायदा उठाकर सेक्टर-7 निवासी शख्स ने पहले एक कार फाइनेंस कराई और कार सहित फरार हो गया। महिला ने अपने बेटे के नाम पर कार फइनेंस कराकर दी थी। मासिक किराया व किश्त पटाने का भरोसा दिलाया। एक साल तक सब ठीक था और उसके बाद कार सहित शातिर शख्स फरार हो गया। किश्त टूटने के बाद महिला ने उसकी पता साजी की तो उसके घर पर ताला लगा मिला। इस मामले में मोहन नगर थाने में महिला की शिकायत पर बीएनएस की धारा 316(2) , 316(5) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

इस मामले में कादम्बरी नगर दुर्ग निवासी कुलदीप कौर (59) ने शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि सड़क 29 सेक्टर-7 निवासी सुखविन्दर सिंह कडीयाला से उनकी पुरानी पहचान थी। करीब दो साल पहल सुखविन्दर महिला के घर गया और कहा की मुझे एक कार फाईनेंस कराकर देदों में उसका किराया दूंगा तथा जो मासिक किश्त होगी वह भी पटा दूंगा।

इसके बाद महिला ने अपने छोटे बेटे गगन प्रीत सिंह सेठी के नाम से एक कार मारुती स्विफ्ट नंबर CG 07 CL 2925 महिन्द्रा फाइनेंस से फइनेंस करवा करवाकर माह जनवरी 2023 में उसे दे दिया। कार का किराया 13000 रुपए महीना और कार की मासिक किस्त 15600 रुपए हर महीने दे रहा था। कुछ माह तक उसने कार का किराया व मासिक किस्त पटाया लेकिन माह अप्रेल 2024 से उसने मेरे कार का किराया व किश्त दोनों ही बंद कर दिया। जब उनके सेक्टर 7 स्थित घर पहुंचे तो पता चला कि वह कार सहित फरार हो गया है। फोन करने से बंद बता रहा है। महिला की शिकायत पर मोहन नगर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रायपुर को प्रॉमिसिंग स्वच्छ शहर और 10 लाख की आबादी में बिलासपुर दूसरा सबसे स्वच्छ शहर

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित हुआ स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 पुरस्कार समारोह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर/नईदिल्ली। स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। गुरुवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 पुरस्कार समारोह छत्तीसगढ़ को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार मिले। स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में राज्य के रायपुर, बिलासपुर सहित सात नगरीय निकायों को स्वच्छता के मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। स्वच्छ सर्वेक्षण में रायपुर को छत्तीसगढ़ के प्रॉमिसिंग स्वच्छ शहर का मिला पुरस्कार और तीन लाख से दस लाख जनसंख्या श्रेणी में बिलासपुर देश का दूसरा सबसे साफ शहर बना। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने निकायों को यह सम्मान दिया। छत्तीसगढ़ की ओर से नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने इन पुरस्कारों को ग्रहण किया। छत्तीसगढ़ के निकायों की इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी सभी पुरस्कृत नगरीय निकायों को बधाई दी।

इस वर्ष भारत सरकार ने स्वच्छता सर्वेक्षण में नई श्रेणी स्वच्छता सुपर लीग (एसएसएल) शुरू किया है। इस नवीन श्रेणी में छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों का चयन हुआ है। अंबिकापुर नगर निगम (50 हजार से तीन लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी), पाटन नगर पंचायत तथा बिश्रामपुर नगर पंचायत (20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी) को एसएसएल के लिए चयनित किया गया है। इस लीग में वे शहर शामिल किए गए हैं, जो पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक बार शीर्ष तीन में स्थान प्राप्त कर चुके हैं तथा वर्तमान वर्ष में अपनी संबंधित जनसंख्या श्रेणी में शीर्ष 200 में बने हुए हैं।

20 हजार से कम आबादी में बिल्हा सबसे साफ

इसके अलावा नगर पंचायत बिल्हा 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों में देश का सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार मिला। कुम्हारी 20-50 हजार की आबादी वाले शहरों में देश का तीसरा सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार मिला। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में छत्तीसगढ़ के तीन शहरों ने राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष तीन स्थानों में शामिल हुई है। केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने राज्य के सात नगरीय निकायों को पुरस्कृत किया। केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू भी समारोह में शामिल हुए।

दिव्यांगों के साथ यह कैसी ड्रामेबाजी?

श्रीकंचनपथ

धरना देना पीड़ितों का लोकतांत्रिक अधिकार है। पर पता नहीं क्यों, इन दिनों सरकार किसी भी जवाबदेही से ऊपर उठ जाना चाहती है। इधर बातें हो रही हैं कि कौन सा मुगल शासक कितना क्रूर था, किसने धार्मिक आधार पर करारोपण किया, किस ने कितने लोगों का मारा और उधर शासन की कुर्सियों पर बैठे लोग प्रतिदिन लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। एक नौकरी किसी का जीवन बना भी सकती है और बिगाड़ भी सकती है। खासकर तब जब वह दिव्यांग हो। एक अत्यन्त शर्मनाक आरोप का सामना फिलहाल सरकार कर रही है। दिव्यांगजनों के संगठनों का आरोप है कि कम से कम 148 लोग फर्जी विकलांग सर्टिफिकेट के आधार पर विभिन्न पदों पर काम कर रहे हैं। दिव्यांग संगठन इन फर्जी दिव्यांगों को बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं। इसी मांग को लेकर बुधवार को वे विधानसभा का घेराव करने जा रहे थे। सभी दिव्यांग बस स्टैण्ड पर एकत्र हुए थे। पुलिस ने वहां से उन्हें उठाकर नया रायपुर स्थित तूता धरनास्थल पर छोड़ दिया। दरअसल, शब्द बदल देने से मानसिकता नहीं बदल जाती। दिव्यागों के साथ आज भी समाज का व्यवहार वही है जो विकलांगों के साथ रहा है। पर इस बार मामला अलग है। यह मामला एक तरफजहां वास्तविक दिव्यांगों के अधिकारों के संरक्षण का है वहीं दूसरी तरफयह शासकीय नौकरियों में भर्ती के मामले में भ्रष्टाचार का भी है। यह मामला अगर किसी राजनीतिक नेता ने उठाया होता तो वह विधानसभा से लेकर संसद तक के भीतर चिल्ला चिल्ला कर बोल रहा होता। यह अधिकार आम आदमी के पास नहीं है। वह तो केवल धरना दे सकता है। भूख हड़ताल कर सकता है। गांधी के शांतिपूर्ण आंदोलनों का देसी राज में क्या हश्र होता है, यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता यदि आप तम्बू लगाकर दो चार महीना कहीं धूप-बारिश-ठंड में पड़े सड़ते रहो। एक दिन आप खुद ही थक हारकर झंडा डंडा समेटकर घर लौट जाओगे। कोई देखने या पूछने भी नहीं आएगा। इसलिए पीड़ितों को घेराव, रास्ता रोको, रेल रोको जैसे आंदोलन करने पड़ते हैं। इससे न्याय मिले न मिले, मामला एक बार को उछल तो जाता ही है। बुधवार को पुलिस जिस तरह का व्यवहार दिव्यांगजनों के साथ किया उससे और कुछ हो न हो, दिव्यांगों की एक मंशा तो पूरी हो ही गई। मामला उछल गया। तब जाकर लोगों को पता चला कि प्रदेश में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) से चयनित 7 डिप्टी कलेक्टर, 3 लेखा अधिकारी, 3 नायब तहसीलदार, 2 सहकारिता निरीक्षक, 3 पशु चिकित्सक सहित कुल 148 अधिकारियों ने फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र लगाकर नौकरी हासिल की है। इसी बहाने दिव्यांग संगठन ने बैकलॉग पदों दिव्यांगों की भर्ती के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाने, पेंशन की राशि को पांच हजार रुपए करने तथा बीपीएल की शर्त को शिथिल करने की भी मांग की है।

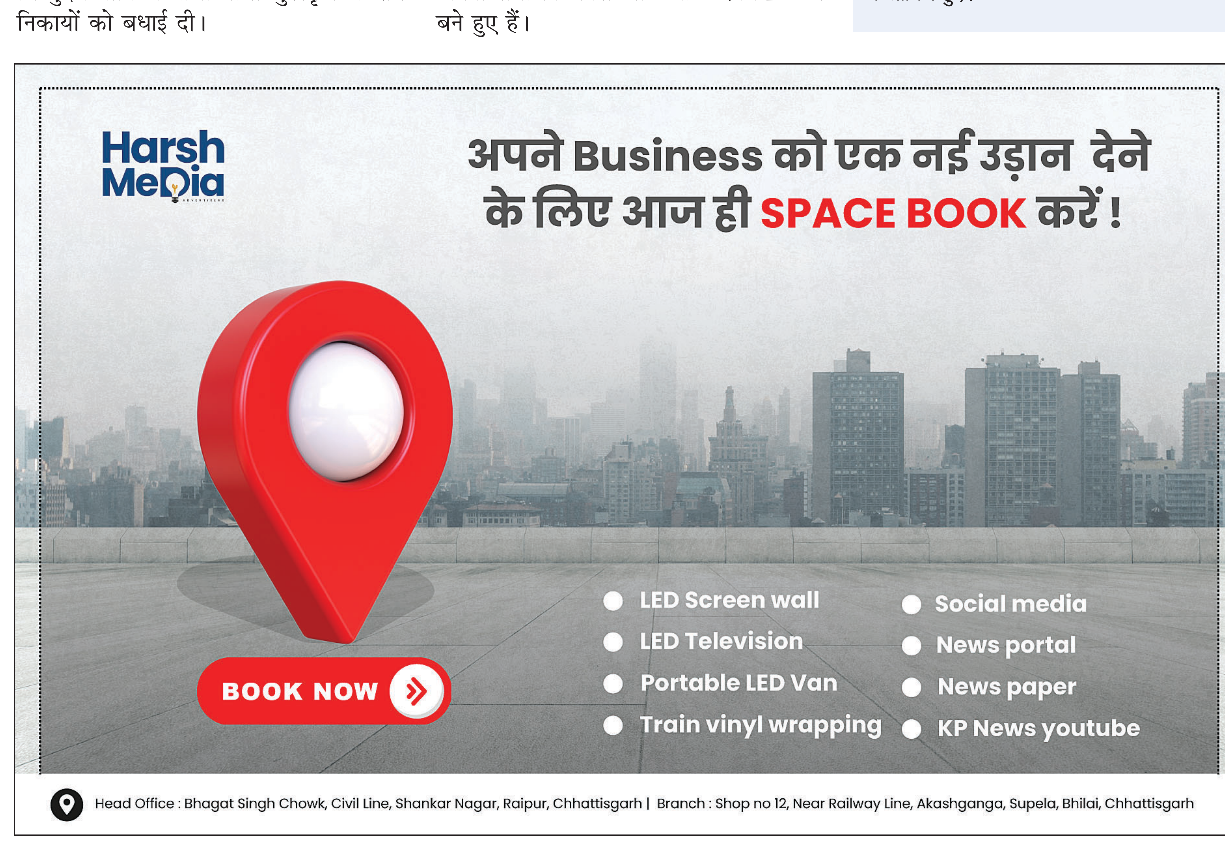

संपादकीय

अंतरिक्ष के इतिहास में नया अध्याय जोड़ा

अंतरिक्ष के इतिहास में नया अध्याय जोड़ाभारत के शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष स्टेशन में 18 दिन रहकर वापस धरती पर सकुशल लौट आए हैं और इसी के साथ भारत ने अतंरिक्ष के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा है। इतिहास में नया अध्याय वही जोड़ पाते हैं जो कुछ बड़ा करने की सोचते हैं और करके दिखाते भी हैं। दुनिया के बड़े देशों में जगह तब ही बनती है जब देश के राजनीतिक नेतृत्व मे कुछ बड़ा करने की सोच होती है, कुछ बड़ा करने की इच्छा होती है। कुछ बड़ा करने की सोच व इच्छा से कुछ नहीं होता है, बहुत सारे देश के नेता भी कुछ बड़ा करने की सोच रखते है, इच्छा करते हैं लेकिन उस सोच व इच्छा को पूरी करने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी होता है कि देश की आर्थिक क्षमता भी ऐसी होनी चाहिए कि वह जरूरी कामों के बाद भी बड़े काम करने के लिए पैसा खर्च कर सके।

> ***पीएम मोदी ने देश को सबसे पहले आर्थिक रूप में मजबूत करने का काम किया वह जानते हैं कि देश आर्थिक रूप से मजबूत होगा तब ही वह बड़े देशों की तरह बड़ा काम करने के लिए पैसा खर्च कर सकेगा। बड़ा काम करके वह बड़े देशों के बीच अपनी जगह बना सकेगा, बड़ा काम करने के कारण उसे भी बड़ा देश माना जाएगा। पीएम मोदी की आर्थिक नीतियों के कारण देश आज विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है, आर्थिक रूप से मजबूत होने के कारण ही भारत आज शुभांशु शुक्ला को 500 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च कर अंतरिक्ष स्टेशन में कुछ दिन रहने के लिए भेज सका है और अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक और मजबूत कदम रख सका है। चार दशक पहले राकेश शर्मा को रूस के सहयोग से भारत अंतरिक्ष में भेजा था, आज भारत आर्थिक रूप से सक्षम होने के कारण खुद पैसे खर्च कर नासा व निजी कंपनी से भारतीय को अंतिरक्ष स्टेशन में रहने के लिए भेज सका है।***

आर्थिक रूप से सक्षम होने के कारण ही भारत अपने राकेट से चंद्रयान चंद्रमा पर भेज सका है,सुरक्षित उसकी सतह पर उतार सका है। चंद्रयान की सफ्लता के बाद भारत का अगला मिशन है, 2027 में अंतरिक्ष में तीन मानव रहित यान भेजना।यह काम इसी साल होना है इसके लिए जरूरी था कि भारत के पास अंतरिक्ष से संबंधित कुछ ज्ञान हो, अनुभव हो, डेटा हो। यही ज्ञान,अनुभव व डेटा लेकर शुभांशु शुक्ला लौटे हैं। यह मिशन सफल होने पर भारत का अगला मिशन अपने राकेट से अंतरिक्ष में मानव भेजना होगा। इसके बाद भारत का अगला लक्ष्य अंतरिक्ष में भारत का अंतरिक्ष स्टेशन बनाना होगा। अंतरिक्ष क्षेत्र में अपने कदम मजबूती से रखने के लिए अंतरिक्ष में भारत का अंतरिक्ष में अपना स्टेशन होना जरूरी है। इसका सपना भले की पीएम मोदी ने देखा है लेकिन इसे पूरा करने का काम आने वाले प्रधानमंत्रियों को करना होगा। पीएम मोदी के पहले प्रधानमंत्रियों ने चांद पर यान भेजने का सपना देखा था, वह सपना पीएम मोदी ने पूरा किया है।

जब कुछ देश के लिए किया जाता है तो उसकी सबको खुलकर तारीफ की जानी चाहिए, दिल बड़ा करना चाहिए। अक्सर ऐसा होता है कि भारत को जब भी किसी क्षेत्र में कोई बड़ी सफलता मिलती है तो कांग्रेस के नेता उसे पीएम मोदी की सफलता मानकर उसमें आलोचना का कोई कारण तलाश लेते हैं। शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष स्टेशन से सकुशल लौट आए तो भाजपा, एनडीए नेताओं की तरह सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को इस पर गर्व करना चाहिए लेकिन कांग्रेस के दलित नेता उदित राज ने जैसा बयान दिया है, अशोभनीय व निंदनीय है। उन्होंने शुभांशु के लौटने का स्वागत तो किया साथ यह कहकर देश में कड़ुवाहट घोल दी कि अंतरिक्ष स्टेशन शुभांशु शुक्ला को क्यों भेजा गया किसी दलित व पिछड़े को क्यों नहीं भेजा गया। कांग्रेस के समय राकेश शर्मा को अंतरिक्ष में भेजा गया था, तब किसी कांग्रेस नेता को यह ख्याल नहीं आया था कि किसी दलित या पिछड़े को क्यों नहीं भेजा गया। आज शुभांशु शुक्ला की जगह किसी और को क्यों नहीं भेजा गया कांग्रेस नेता पूछ रहे हैं तो इससे साफहो जाता है कि कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी से अब क्षेत्रीय पार्टी रह गई है, उसकी सोच कभी राष्ट्रीय हुआ करती थी वर्तमान में वह जातिवादी राजनीतिक दलों से भी ज्यादा जातिवादी हो गई है। माना जाता है कि जैसा नेता होता है, वैसा राजनीतिक दल हो जाता है, उसके नेता हो जाते हैं तो साफ है कि जैसे राहुल गांधी सोचते हैं वैसा ही कांग्रेस नेता सोच रहे हैं, जैसा राहुल गांधी बोलते हैं, वैसा ही कांग्रेस नेता बोल रहे हैं।

मोटर वाहन एग्रीगेटर के दिशा-निर्देश

अजय टम्टा, केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री

पिछले कुछ सालों में लाखों ड्राइवर ऐप-आधारित टैक्सी सेवाओं से जुड़े हैं। क्योंकि इसमें उन्हें काम करने की आजादी, अनुकलता और तकनीकी सुविधा मिलती है। हालाँकि बढ़ते कमीशन, अस्पष्ट नीतियों, मनमाने निलंबन और सुरक्षा के अभाव ने इस वादे को कई लोगों के लिए निराशा में बदल दिया। भारत भर में तीन मिलियन से अधिक गिग ड्राइवरों द्वारा अनुभव की गई इन चुनौतियों ने व्यापक और लागू करने योग्य विनियमन की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया।

इसके जवाब में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और नितिन गडकरी के मार्गदर्शन में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने पहले ही मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के अंतर्गत मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशा निर्देश, 2020 जारी किये थे। इन दिशा निर्देशों ने राज्य सरकारों को एग्रीगेटर्स को लाइसेंस देने और उनकी निगरानी करने का अधिकार देते हुए एक नियामक ढाँचा प्रदान किया, जिससे वाहन-परिचालन उद्य़ोग के विकास को बढ़ावा मिला। ड्राइवरों और यात्रियों दोनों के लिए सुरक्षा, निष्पक्षता और जवाबदेही से जुड़ी चिंताओं को देखते हुए, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने अब मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशा निर्देश, 2025 पेश किया है। यह भारत के डिजिटल मोबिलिटी इकोसिस्टम में संरचना, सुरक्षा और समावेशिता लाने के लिए एक प्रमुख नीतिगत अपडेट है।

मोटर वाहन अधिनियम 1988 के कानूनी आधार पर निर्मित इन दिशा-निर्देशों का उद्देश्य ओला, उबर, रैपिडो जैसे ऐप-आधारित कैब एग्रीगेटर्स के संचालन को विनियमित करना है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि दिशा-निर्देश संवैधानिक कार्यादेशों और न्यायिक निर्देशों के अनुरूप ड्राइवरों और यात्रियों दोनों को संतुलित लाभ प्रदान करने का प्रयास करते हैं।

2025 के दिशा-निर्देशों का सबसे उल्लेखनीय पहलू है- ड्राइवरों के हितों की सुरक्षा। अब तकएग्रीगेटर प्लेटफॉर्म से जुड़े ड्राइवर, अक्सर खुद को कम कमाई,मनमाने ढंग से कार्य से हटाना (ऑफ-बोर्डिंग), बीमा का न होना और अपर्याप्त कानूनी उपायों के साथ अनिश्चित परिस्थितियों के बीच काम करते थे। नए नियम दिशा-निर्देश इन प्रणालीगत कमियों को दूर करने का प्रयास करते हैं।

दिशा-निर्देशों में एग्रीगेटर्स को राज्यों द्वारा अधिसूचित मूल किराए के आधार पर प्रति घंटे या न्यूनतम गारंटीकृत आय सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। इसमें यह भी अनिवार्य किया गया है कि एग्रीगेटर और ड्राइवर के बीच किराया निपटान, आपसी सहमति से दैनिक, साप्ताहिक या पाक्षिक आधार पर किया जाना चाहिए। इस कदम से हजारों ड्राइवरों को खासकर आय-प्राप्ति वाले समय में, आय में होने वाले उतार-चढ़ाव से निजात मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, सरकार ने अब प्रत्येक एग्रीगेटर को कम से कम 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा और 10 लाख रूपये का सावधि बीमा प्रदान करना अनिवार्य कर दिया है। उम्मीद है कि ये सुरक्षा उपाय गिग श्रमिकों को औपचारिक श्रम संरचनाओं के दायरे में लायेंगे।

इसके अलावा, नए दिशा-निर्देश कमीशन में पारदर्शिता लाते हैं तथा एग्रीगेटर के हिस्से को अधिकांश मामलों में प्रत्येक किराए के 20त्न तक सीमित करते हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है, कि ड्राइवर अपनी आय का एक उचित हिस्सा रख सकेंगे। एग्रीगेटर्स को भुगतान कटौती, किराया विभाजन और जुर्माने के बारे में स्पष्ट और विस्तृत जानकारी भी प्रदान करनी होगी।

दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि प्रत्येक एग्रीगेटर एक औपचारिक शिकायत निवारण प्रणाली की स्थापना करेगा,जहाँ यात्रा रद्दीकरण,भुगतान विवाद या निलंबन जैसे मुद्दों का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से समाधान हो सके। ड्राइवरों को समय-समय पर प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिसमें ऐप उपयोग, आपातकालीन प्रतिक्रिया, सड़क सुरक्षा, यातायात नियम, लैंगिक संवेदनशीलता, दिव्यांगजन जागरूकता, ग्राहक से बातचीत, डिजिटल साक्षरता आदि विषयों पर आधारित 40 घंटे का प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल होगा, ताकि वे भविष्य के यातायात से जुड़ी चुनौतियों के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकें।

यात्रियों के लिए भी ये दिशा-निर्देश समान रूप से परिवर्तनकारी हैं। यात्रा सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और किराए में हेरफेर से जुड़ी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए नए दिशा-निर्देश सुरक्षा उपाय लेकर आए हैं, जिनकी बहुत आवश्यकता थी।

एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म पर सभी ड्राइवरों को अनिवार्य पुलिस सत्यापन, स्वास्थ्य जांच और व्यवहार प्रशिक्षण से गुजरना होगा। इसके अलावा, प्रत्येक वाहन में इनऐप आपातकालीन बटन, जीपीएस-आधारित निगरानी और यात्राओं को साझा करने की सुविधाएँ होनी चाहिए, जो सभी यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को बढ़ाती हैं। राज्य की निगरानी में एग्रीगेटर्स द्वारा एक 24×7 नियंत्रण कक्ष और हेल्पलाइन प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए।

यात्रियों के लिए एक और बड़ा लाभ किरायों और विशेष परिस्थितियों में किराये में वृद्धि (सर्ज प्राइसिंग) का नियमन है। दिशा-निर्देशों में स्पष्ट सीमाएँ निर्धारित की गई हैं: राज्य की नीति के आधार पर किराए में वृद्धि की सीमा आधार किराए के 1.5 से 2 गुना तक सीमित की गयी है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उच्च माँग के समय यात्रियों का शोषण न हो। इसके अलावा, प्लेटफॉर्म को किराए का विवरण पारदर्शी रूप से प्रदर्शित करना आवश्यक है, जिसमें आधार किराया, गतिशील शुल्क, एग्रीगेटर का हिस्सा और सरकारी कर शामिल हैं।

महत्वपूर्ण रूप से, दिशा-निर्देश उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता का भी ध्यान रखते हैं। एग्रीगेटर्स को भारत-स्थित सर्वरों पर उपयोगकर्ता डेटा का संग्रह करने और डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम सहित डेटा सुरक्षा रूपरेखा का पालन करने का निर्देश दिया गया है, ताकि डेटा का दुरुपयोग या लीक न होना सुनिश्चित हो सके और भारत की संप्रभु डेटा नीतियों के अनुसार इसे सुरक्षित रखा जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत@2047 के विजन,जो समावेशी और सतत विकास पर जोर देता है तथा दिव्यांगजनों के सम्मान और स्वाभिमान को बनाए रखने के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता के अनुरूप, दिशा-निर्देश में इस बात को अनिवार्य किया गया है कि एग्रीगेटर बेड़े का एक हिस्सा दिव्यांगजनों के अनुकूल बनाएं और कार्यबल में ड्राइवरों के रूप में दिव्यांगजनों का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करें। ऐसे वाहनों की संख्या राज्यों द्वारा स्थानीय जरूरतों और आवश्यकताओं के आधार पर निर्धारित की जाएगी।

स्थायित्व के लिए एक बड़े प्रयास के तहत, एग्रीगेटर्स को अपने बेड़े में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, वैकल्पिक ईंधन या शून्य उत्सर्जन वाले वाहनों को शामिल करने की आवश्यकता है। संबंधित वायु नियामक निकाय वाहन-परिचालन प्लेटफार्मों के लिए राज्यवार ईवी लक्ष्य निर्धारित करेंगे, तथा यह भारत के जलवायु और स्वच्छ वायु लक्ष्यों के अनुरूप है। दिल्ली की 'देवी' (डीईवीआई) बसें जैसी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियाँ ईवी एकीकरण के उदाहरण हैं, जो पहले से ही मौजूद हैं।

ये दिशानिर्देश राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों, विशेष रूप से अनुच्छेद 39 के अनुरूप हैं, जो राज्य को निर्देश देता है कि गिग श्रमिकों सहित नागरिकों के लिए आजीविका के पर्याप्त साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त,संविधान के अनुच्छेद 21,जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है,की न्यायालयों द्वारा की गयी व्याख्या में सुरक्षित कार्य वातावरण के अधिकार और सम्मान के साथ आवागमन के अधिकार को शामिल किया गया है।

कई न्यायिक निर्णयों ने यात्रा वाहन परिचालन क्षेत्र में उचित नियमन की आवश्यकता पर बल दिया है। पीपुल्स यूनियन फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स बनाम भारत संघ (1982) और ओल्गा टेलिस बनाम बॉम्बे नगर निगम (1985) में,सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 2 के एकअभिन्न अंग के रूप में आजीविका के अधिकार पर जोर दिया। उबर इंडिया सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड बनाम भारत संघ (2020) के मामले में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने एग्रीगेटर के मूल्य निर्धारण और लाइसेंस प्रक्रिया को विनियमित करने के राज्य सरकारों के अधिकार को बरकरार रखा, जहाँ यह कहा गया कि उपभोक्ता हितों को पूरी तरह से बाजार-संचालित मूल्य निर्धारण मॉडल के ऊपर रखा जाना चाहिए।

ये फैसले 2025 के दिशानिर्देशों के तहत गिग श्रमिकों को दी गई कई सुरक्षाओं के कानूनी आधार हैं। दिशा-निर्देश मोटर वाहन एग्रीगेटर्स के लाभ और यात्रियों के हितों के बीच संतुलन बनाने का एक प्रयास है, साथ ही यह अक्सर उपेक्षित गिग श्रमिकों के अधिकारों को प्राथमिकता देता है।

माननीय प्रधानमंत्री के न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन के दृष्टिकोण के अनुरूप,नए दिशा-निर्देश एक सरल नियामक प्रणाली प्रदान करते हैं। अब एग्रीगेटर 60 दिनों के भीतर सभी राज्यों में लागू सभी प्रकार के मोटर वाहनों के लिए एकल लाइसेंस प्राप्त कर सकते हैं। इससे यात्री वाहन परिचालन कंपनियों के लिए ड्राइविंग टेस्ट सुविधा की व्यवस्था करने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। इसके बजाय,अब उन्हें मंत्रालय की वाहन परिचालन प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईडीटीआर), क्षेत्रीयवाहन परिचालन प्रशिक्षण केंद्र (आरडीटीसी)और वाहन परिचालन प्रशिक्षण केंद्र (डीटीसी) योजना का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित इन केंद्रों का उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों में भी वैज्ञानिक प्रशिक्षण को सुलभ बनाना है,जिसमें जनसंख्या और भौगोलिक स्थिति के आधार पर आईडीटीआर के लिए 17.25 करोड़ रुपये, आरडीटीसी के लिए 5.5 करोड़ रुपये और डीटीसी के लिए 2.5 करोड़ रुपये तक का अनुदान दिया जाता है।

ये संस्थान न केवल व्यक्तियों को उच्च-गुणवत्ता वाले वाहन परिचालन कौशल प्रदान कर रहे हैं, बल्कि देश भर में पेशेवर रूप से प्रशिक्षित ड्राइवरों का एक समूह बनाने में भी योगदान दे रहे हैं। इस पहल से सड़क सुरक्षा बढ़ाने और भारतीय सड़कों पर यातायात दुर्घटनाओं को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है। सरकार ने वर्ष 2030 तक सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों को 50% तक कम करने का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है,यह स्वीकार करते हुए कि वर्तमान में सड़क दुर्घटनाओं के परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में अनुमानित 3% का आर्थिक नुकसान होता है। इन दिशानिर्देशों का जारी होना भारत के मज़बूत संघीय ढाँचे और संवैधानिक प्रावधानों को प्रतिबिंबित करता है। भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची के अनुसार परिवहन समवर्ती सूची का विषय है, जो राज्यों को एग्रीगेटर्स के लाइसेंस और संचालन के लिए नियम बनाने का अधिकार देता है। अधिनियम की धारा 93 विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह केंद्र सरकार को इस उद्देश्य के लिए ऐसे दिशानिर्देश या लाइसेंस प्रक्रिया जारी करने में सक्षम बनाती है।

यद्यपि केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए,मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशा-निर्देश 2025 का राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा स्थानीय अनुकूलन सुनिश्चित करते हुए पालन किया जा सकता है। लेकिन, राज्यों को अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित अधिकार दिए गए हैं। एग्रीगेटर्स को लाइसेंस जारी करना, किराया संरचना और उच्च मांग की अवधि में किराया वृद्धि (सर्ज प्राइसिंग) की निगरानी करना, चालक प्रशिक्षण और सत्यापन लागू करना, अनुपालन का उल्लंघन करने वाले प्लेटफार्मों को दंडित करना,साझा गतिशीलता मॉडल के तहत यात्रियों के लिए गैर-परिवहन मोटरसाइकिलों के उपयोग को अधिकृत करना,एग्रीगेटर बेड़े के लिए इलेक्ट्रिक वाहन लक्ष्य निर्धारित करना और उन्हें लागू करना।

जिम्मेदारियों का यह विभाजन भारत के सहकारी संघवाद के मॉडल को प्रतिबिंबित करता है, जहाँ नीति निर्माण केंद्रीकृत है,लेकिन कार्यान्वयन संदर्भ-संवेदनशील और राज्य-विशिष्ट है।

मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशा-निर्देश, 2025 भारत के डिजिटल मोबिलिटी इकोसिस्टम में सुधार की दिशा में एक प्रगतिशील और समय-अनुकूल कदम है। इस पहल की सफलता प्रभावी कार्यान्वयन, जन जागरूकता और प्लेटफॉर्म अनुपालन पर निर्भर करेगी। यदि राज्य इसका पालन करते हैं, तो इसमें यात्री वाहन परिचालन सेवाओं को शहरी परिवहन के एक सुरक्षित, अधिक जवाबदेह और अधिक समावेशी साधन में बदलने की क्षमता है, जो पूरे देश में ड्राइवरों और यात्रियों दोनों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

ऐसे देश में जहाँ अनौपचारिक श्रमिकों का नीति-निर्माण में अक्सर प्रतिनिधित्व नहीं हो पाता है,ये दिशा-निर्देश एक महत्वपूर्ण बदलाव के प्रतीक हैं। ये दिशा-निर्देश ऐप-आधारित ड्राइवर को न केवल एक सेवा प्रदाता के रूप मेंबल्कि अधिकारों,सम्मान और आकांक्षाओं वाले एक श्रमिक के रूप में देखते हैं। ये दिशा-निर्देश यात्री को केवल एक उपभोक्ता के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे नागरिक के रूप में मान्यत देते हैं जो सुरक्षित,सस्ती और पारदर्शी सेवाओं का हकदार है।

मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशा-निर्देश,2025 भारत में डिजिटल मोबिलिटी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एग्रीगेटर्स के लिए स्पष्ट मानक और जिम्मेदारियाँ निर्धारित करके, ये दिशानिर्देश ड्राइवरों के लिए उचित आय और सामाजिक सुरक्षा, यात्रियों के लिए बेहतर सुरक्षा और सुविधा तथा पर्यावरण की दृष्टि से सतत प्रथाओं पर जोर देते हैं। यह संतुलित और समावेशी फ्रेमवर्क न केवल भारत की बढ़ती गिग अर्थव्यवस्था की नींव को मजबूत करता है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण के भी अनुरूप है।

आत्मनिर्भरता देश की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत को अपेक्षाकृत शांत अवधि के दौरान भी अनिश्चितता के लिए तैयार रहना चाहिए। शांति के समय को भ्रम बताते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सशस्त्र बलों के पराक्रम की भी उन्होंने सराहना की।

सिंह ने रक्षा लेखा विभाग के अपने संबोधन में कहा कि विश्व हमारे रक्षा क्षेत्र को सम्मान की दृष्टि से देख रहा है। अधिकतर उपकरण जो हम पहले आयात करते थे, अब देश में ही बनाए जा रहे हैं। अधिकारियों को बाहरी ऑडिट या सलाहकारों पर निर्भर रहने की बजाय आत्मावलोकन द्वारा आंतरिक सुधार करने की सलाह भी दी। बीते साल वैश्विक सैन्य व्यय के तकरीबन पौने तीन लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर पर पहुंचने की चर्चा करते हुए रक्षा मंत्री ने इसे स्वदेशी रक्षा उद्योग के लिए अपार अवसर बताया। इस संबोधन में अनिश्चितता व शांति के समय को भ्रम बताने के पीछे की उनकी रणनीति चुनौती के तौर पर समझी जा सकती है।

बेशक, मुल्क के आंतरिक व सीमापार से होने वाले हमलों पर गोपनीयता बरतना हितकारी है मगर ऐसे किसी भी संकट के प्रति सरकार को सेना को सतर्क भी रखना होगा। मेक इन इंडिया के लॉन्च के बाद यानी 2014-15 से 2023-24 तक भारत का रक्षा उत्पादन 1.27 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। रक्षा मंत्रालय ने 2024-25 में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 193 अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि इनमें से 92त्न घरेलू रक्षा उद्योग को दिए गए। रक्षा उपकरणों पर आत्मनिर्भरता देश की सुरक्षा के लिए महत्त्वपूर्ण है, बल्कि यह उन महाशक्तियों के लिए भी चुनौती है, जिनका इस क्षेत्र में एकक्षत्र राज रहा है। रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता के चलते अब 65त्न रक्षा उपकरण घरेलू स्तर पर निर्मित हो रहे हैं। चूंकि रक्षा मंत्रालय की ऑडिट रिपोर्टस सार्वजनिक पटल पर उपलब्ध नहीं होतीं इसलिए सरकार व सैन्याधिकारियों का जिम्मा है कि अपनी समीक्षा स्वयं करें।

हालांकि लंबे समय से रक्षा विभाग की मीडिया नीति को लेकर विवाद रहा है। गोपनीय या संवेदनशील रिपोर्ट के अतिरिक्त अन्य लेखा परीक्षक सूचनाओं के आधार पर नियम बनाए जा सकते हैं ताकि किसी भी तरह की लापरवाही या गड़बड़ियों से रक्षा विशेषज्ञों, संबंधित विश्लेषकों आदि को प्रचारित/प्रसारित किए बगैर विचार का मौका प्राप्त हो। आंतरिक समीक्षा के बावजूद पारदर्शिता देश और देशवासियों के हित में कम आवश्यक नहीं कही जा सकती।

वैश्विक मंच पर चमकती हिन्दी और क्षेत्रीय राजनीति की कुंठा

योगेश कुमार गोयल

विश्व में लगभग 6900 भाषाएं बोली जाती हैं, जिनमें से 35 से 40 प्रतिशत भाषाएं आज अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। इसके विपरीत हिन्दी अब दुनिया की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन चुकी है।

हिन्दी केवल एक भाषा नहीं बल्कि भारत की आत्मा, चेतना, अस्मिता और स्वाभिमान की प्रतीक है। यह भारतीय संस्कृति की वह अदृश्य डोर है, जो देश के कोने-कोने को जोड़ती है। दुर्भाग्यवश हिन्दी जब अपनी वैश्विक उड़ान भर रही है, उसी समय देश के भीतर कुछ क्षेत्रीय राजनीतिक स्वार्थों के कारण हिन्दी का विरोध हो रहा है। खासकर महाराष्ट्र जैसे राज्य में, जहां मुंबई में हिन्दी फिल्मों का केंद्र है, वहां हिन्दी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, नारेबाजी और हिन्दी बोलने वालों पर हमले की घटनाएं चिंताजनक हैं। यह विडंबना ही है कि एक ओर जहां दुनिया हिन्दी को सम्मान दे रही है, वहीं भारत में कुछ शक्तियां इसे राजनीतिक हथियार बना रही हैं।

यह सच है कि भारत में विविध भाषाओं और बोलियों का समृद्ध संसार है। संविधान 18वीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता देता है। इनमें से हर भाषा का सम्मान और संरक्षण आवश्यक है लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जनसंख्या द्वारा बोली जाने वाली हिन्दी के खिलाफ वैमनस्य फैलाया जाए। हिन्दी को थोपे जाने की राजनीति और विरोध दोनों ही गलत हैं। भाषा का विकास संवाद और सहमति से होता है, न कि टकराव से। आज जब हिन्दी आर्थिक, तकनीकी, सांस्कृतिक और साहित्यिक रूप से दुनिया में

भारत की पहचान बन रही है, तब इसे विरोध का विषय बनाना केवल संकीर्ण राजनीति का परिचायक है। दुनियाभर में आज जब अपनी-अपनी भाषाओं को लेकर चिंता बढ़ रही है, ऐसे समय में हिन्दी न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता की नई ऊंचाइयों को छू रही है। एक ओर जहां सैंकड़ों भाषाएं लुप्त होने के कगार पर हैं, वहीं हिन्दी वैश्विक मंच पर तेजी से उभर रही है, जिसे लेकर हर भारतवासी को गर्व होना चाहिए।

विश्व में लगभग 6900 भाषाएं बोली जाती हैं, जिनमें से 35 से 40 प्रतिशत भाषाएं आज अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। इसके विपरीत हिन्दी अब दुनिया की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन चुकी है। 'एथ्नोलॉग' की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, हिन्दी के 61.5 करोड़ मूल वक्ता हैं। यह आंकड़ा भाषा के प्रसार और इसकी प्रभावशीलता का प्रमाण है। मन्दारिन और अंग्रेजी के बाद हिन्दी की यह स्थिति केवल आंकड़ों की बात नहीं है बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक शक्ति का वैश्विक स्वीकार भी है। वर्षों से हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर लाने के प्रयास किए जाते रहे हैं। जून 2022 में जब संयुक्त राष्ट्र ने हिन्दी, उर्दू और बांग्ला में जानकारी उपलब्ध कराने की पहल की तो यह हिन्दी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था। इससे स्पष्ट हुआ था कि वैश्विक संस्थाएं अब भारतीय भाषाओं की उपेक्षा नहीं कर सकती।

दुनिया के 50 से अधिक देशों में 150 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिन्दी एक विषय के रूप में पढ़ाई जाती है। अमेरिका, जर्मनी, रूस, फ्रांस, जापान, पोलैंड, नेपाल, फिजी, मॉरीशस जैसे देशों में हिन्दी के अध्ययन और शोध को लेकर विशेष रुचि देखी जा रही है। यूजीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में भारत में हिन्दी सीखने आने वाले विदेशी विद्यार्थियों की संख्या में 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित फिजी में हिन्दी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। वहां फिजी हिन्दी महापरिषद जैसी संस्थाएं हिन्दी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय हैं। मॉरीशस में 2002 में स्थापित विश्व हिन्दी सचिवालय हिन्दी भाषा के अंतर्राष्ट्रीय प्रसार का सशक्त मंच बना हुआ है। यहां से विश्व हिन्दी पत्रिका और विश्व हिन्दी समाचार जैसे प्रकाशनों के जरिए हिन्दी की वैश्विक उपस्थिति मजबूत की जा रही है। रूस में भी हिन्दी साहित्य का प्रभाव गहराता जा रहा है। अनेक रूसी विद्वान तुलसीदास, प्रेमचंद, माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा जैसे भारतीय लेखकों के साहित्य का रूसी में अनुवाद कर रहे हैं। रूस के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी भाषा और साहित्य का व्यापक अध्ययन होता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि साहित्यिक दृष्टि से भी हिन्दी की जड़ें वैश्विक धरातल पर गहरी हो रही हैं।

हिन्दी को ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने भी सम्मान दिया है। 'बच्चा', 'अच्छा', 'दादागिरी', 'पंडित', 'जुगाड़', 'गुलाब जामुन' जैसे अनेक हिन्दी शब्द अब इस प्रतिष्ठित शब्दकोश का हिस्सा बन चुके हैं। यह उस सांस्कृतिक प्रभाव की मान्यता है, जो हिन्दी शब्दों के जरिए दुनिया में फैल रहा है। अमेरिका की 'ग्लोबल लैंग्वेज मॉनीटर' संस्था हिन्दी की शब्दसंपदा को समृद्ध बता चुकी है। एक अनुमान के अनुसार हिन्दी में 1.25 लाख से अधिक शब्द हैं। वहीं, अमेरिका की 2023 की जनगणना रिपोर्ट बताती है कि वहां हिन्दी बोलने वालों की संख्या 10 लाख से अधिक हो चुकी है। 2011 की तुलना में यह वृद्धि अभूतपूर्व है। बॉलीवुड और भारतीय सिनेमा ने भी हिन्दी के वैश्विक विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिन्दी फिल्मों की लोकप्रियता आज अमेरिका, इंग्लैंड, यूएई, सिंगापुर, मलेशिया, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, तुर्की तक फैली है। कई देशों में हिन्दी फिल्मों के रेडियो चौनल, टीवी चैनल, फिल्म समारोह और लाइव शो आयोजित किए जाते हैं, जो हिन्दी को सांस्कृतिक राजदूत के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

हिन्दी की लोकप्रियता को सोशल मीडिया ने भी एक नई ऊंचाई दी है। यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स पर हिन्दी सामग्री का विस्तार प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। 2024 की एक रिपोर्ट बताती है कि हिन्दी इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 20 करोड़ पार कर चुकी है। गूगल के अनुसार, हिन्दी कंटेंट की वार्षिक वृद्धि दर 94 प्रतिशत है जबकि अंग्रेजी की घटती जा रही है। अब ई-कॉमर्स और तकनीक की दुनिया में भी हिन्दी एक मजबूत बाजार भाषा बन चुकी है। अमेजन, फ्लिपकार्ट जैसी दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनियां भी अब हिन्दी में सेवाएं दे रही हैं। डेलॉइट की 2023 की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 65 प्रतिशत ऑनलाइन उपभोक्ता अब हिन्दी या अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में जानकारी लेना पसंद करते हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि हिन्दी का आर्थिक मूल्य भी तेजी से बढ़ रहा है। गूगल ट्रांसलेट, माइक्रोसॉफ्ट ट्रांसलेटर, वॉयस असिस्टेंट्स, एआई चैटबॉट्स और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग में हिन्दी को प्रमुखता दी जा रही है। तकनीकी उपकरणों में हिन्दी इनपुट और आउटपुट की सुविधा अब आम बात हो चुकी है। भारत के डिजिटल इंडिया अभियान में भी हिन्दी की प्रमुख भूमिका है।

हिन्दी की वैश्विक प्रतिष्ठा को विश्व हिन्दी सम्मेलन जैसे आयोजन भी मजबूती दे रहे हैं। 1975 से अब तक यह सम्मेलन भारत, मॉरीशस, अमेरिका, यूके, त्रिनिदाद, फिजी जैसे देशों में आयोजित हो चुका है। इन आयोजनों में 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। इतिहास गवाह है कि महात्मा गांधी ने हिन्दी को राष्ट्र की आत्मा बताते हुए इसे राष्ट्रीय एकता का आधार कहा था। भारत सरकार द्वारा 1963 में स्थापित केन्द्रीय हिन्दी संस्थान अब हिन्दी में उच्च शिक्षा, शोध और प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र बन चुका है। यह संस्थान प्रत्येक वर्ष 'हिन्दी सेवी सम्मान' प्रदान करता है, जो हिन्दी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को दिए जाते हैं।

बहरहाल, हमें यह समझना होगा कि भारत के किसी भी राज्य में हिन्दी का विरोध करना भारत की एकता और संस्कृति पर हमला है। भाषा को विभाजन का नहीं, समावेशन और संवाद का साधन बनाना चाहिए। जब दुनिया हिन्दी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है तो हमें भी अपनी भाषायी चेतना को व्यापक बनाना होगा। हिन्दी किसी एक राज्य या क्षेत्र की नहीं, पूरे भारत की है। इसका विरोध उस भारतीयता का विरोध है, जो हिन्दी के जरिए दुनियाभर में फैल रही है। यह समय हिन्दी को राजनीति की भेंट चढ़ाने का नहीं, इसके वैश्विक उभार को समर्थन देने का है। इसलिए हमें हिन्दी को अपमानित नहीं बल्कि इसके इस उज्जवल भविष्य पर गर्व करना चाहिए।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क – शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

महापौर अल्का बाघमार ने जल विभाग के अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र के सभी वार्डो में जल आपूर्ति की व्यवस्था सुचारू रूप से जारी रखने व तकनीकी संसाधनों में आ रही खराबी की जानकारी लेने महापौर अलका बाघमार ने अपने चेंबर में जलगृह अधिकारियो की समीक्षा बैठक लेकर जल विभाग से संबंधित फाइलें पेंडिंग रखने वाले अफसरों की जमकर क्लास लेते हुए दो टूक शब्दों में कहा कि पानी मनुष्य की पहली आवश्यकता है इसे ध्यान में रखकर इंटकवेल से लेकर फिल्टर प्लांट तक सभी मशीनरी सामग्री को नियमित चेक कर खराबी आने से पहले उनका वैकल्पिक व्यवस्था तैयार रखे तथा नियमित मॉनिटरिंग करते रहने निर्देश दिए बैठक में निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल जल गृह प्रभारी लीना दिनेश देवांगन,नरेंद्र बंजारे, देवनारायण चन्द्राकर,कार्यपालन अभियंता आर के जैन सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे। बैठक में गर्मी के दिनों में हुए जल संकट के बाद अब बारिश के दिनों में भी अनेक वार्डो में बार बार हो रही जल संकट पर महापौर अलका बाघमार ने सख्त रुख अपनाते हुए कारणों को लेकर विस्तार से जानकारी ली इस दौरान जल विभाग प्रभारी लीना देवांगन की ओर से विभिन्न तकनीकी व मशीनरी सामग्री हेतु प्रशासनिक स्वीकृति के लिए गए फाइलें रुकने तथा समय पर उपकरणों की अनुपलब्धता से हो रही दिक्कतो से अवगत कराया गया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद हेतु आवेदन 31 जुलाई तक आमंत्रित

दुर्ग। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई 02 के अंतर्गत नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा वार्ड क्रमांक-24 में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रिक्त पदों पर भर्ती किया जाना है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के लिए आवेदन 17 से 31 जुलाई तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय भिलाई 02 (पता-नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा रोड भिलाई 03) में सीधे अथवा पंजीकृत डॉक द्वारा कार्यालयीन समय 10 से 5.30 बजे तक (शासकीय अवकाश को छोड़कर) जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन स्वीकार नही किए जाएंगे। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना से मिली जानकारी अनुसार आवेदन किये जाने हेतु शासन द्वारा निर्धारित आवश्यक गाईडलाईन के तहत आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए । आवेदिका उसी वार्ड की स्थायी निवासी होनी चाहिए जिस वार्ड में आंगनबाड़ी केन्द्र स्थित है। निवासी होने के प्रमाण में वार्ड की अद्यतन मतदाता सूची में दर्ज नाम एवं नगरीय क्षेत्र में होने पर संबंधित वार्ड की अद्यतन मतदाता सूची में नाम दर्ज हो तो आवेदन पत्र में उसके क्रमांक का उल्लेख कर प्रतिलिपि लगाई जाए अथवा वार्ड पार्षद अथवा पटवारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र जिसमें वार्ड में निवासरत् रहने का पता सहित स्पष्ट उल्लेख हो।

विधायक रिकेश की पहल पर मुख्यमंत्री ने की घोषणा प्रभावित 62 परिवारों को मिलेगी 6-6 हजार राहत राशि

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अत्यधिक वर्षा के कारण वैशाली नगर विधानसभा के कोसा नगर में प्रभावित 62 परिवारों को बहुत जल्द राहत राशि प्रदान की जाएगी। विधायक रिकेश सेन ने इस संबंध में पहल करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से संबंधित क्षेत्र के लिए चर्चा कर राहत राशि की स्वीकृति प्राप्त कर ली है।

आपको बता दें कि विगत दिनों लगातार बारिश की वजह से भिलाई निगम अंतर्गत कोसा नगर क्षेत्र के मोहल्लों में पानी भरने की वजह से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था।

आज छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के चतुर्थ दिवस वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से कोसा नगर के प्रभावितों के संबंध में चर्चा करते हुए इन्हें तत्काल राहत प्रदान करने का निवेदन किया तो मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शासन द्वारा चिन्हांकित 62 परिवारों के लिए राहत राशि प्रदान करने की घोषणा कर दी है। विधायक रिकेश सेन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि कोसा नाला में अत्यधिक बारिश की वजह से ओवर फ्लो के हालात बने थे।

निगम अमला मौके पर भेज कर कोसा नगर में भरे पानी को निकलवाने टीम लगी रही। इसके लिए तत्काल तहसीलदार, पटवारी और आर आई को मौका निरीक्षण के लिए भेजा गया। घरों में पानी भरने से वहां विद्युत व्यवस्था भी प्रभावित हुई थी। पानी की वजह से घरेलू सामान को भी क्षति पहुंची थी। जिला प्रशासन ने 62 प्रभावितों को सूचीबद्ध कर रिपोर्ट तैयार की थी। उन सभी प्रभावितों के लिए राहत राशि की घोषणा आज हुई है।

इस समस्या से मुख्यमंत्री को अवगत कराने पर उन्होंने तत्काल पहल करते हुए राहत राशि की आज घोषणा कर दी है। लगभग एक सप्ताह के भीतर सभी 62 परिवारों को 6-6 हजार की राहत राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही कोसा नगर में बारिश के दिनों ऐसे हालात न हों, इसके लिए क्षेत्र के नाले नालियों से पानी निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने निगम अधिकारियों को निर्देशित किया गया था जिस पर कार्य जारी है।

भारतीय वायुसेना में अग्निवीर भर्ती हेतु 31 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। भारतीय वायु सेना भर्ती कार्यालय भोपाल द्वारा छत्तीसगढ़ के अविवाहित पुरूष एवं महिला आवेदकों से अग्निवीर वायु वर्ष-2026 हेतु ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। आवेदक वेब साईट www.agnipathvayu.cdac.in पर 31 जुलाई 2025 रात्रि 11.00 बजे तक ऑनलाईन आवेदन कर सकतें है। जिला रोजगार कार्यालय के उपसंचालक से मिली जानकारी के अनुसार ऐसे आवेदक जिनका जन्म 02 जुलाई 2005 एवं 02 जनवरी 2009 के बीच हुआ है और जो 10+2 या समकक्ष परीक्षा विज्ञान समूह में किसी मान्यता प्राप्त केन्द्रीय, राज्य या केन्द्र शासित राज्य बोर्ड से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंको के साथ जिसमें अंग्रेजी विषय में 50 प्रतिशत अंक हो/ 02 वर्षीय डिप्लोमा कोर्स इजीनियरिंग मान्यता प्राप्त बोर्ड, राज्य अथवा केन्द्र शासित राज्य से 50 प्रतिशत अंकों के साथ तथा जिसमें इन्टरमिडिएट मैट्रिकुलेशन में अंग्रेजी विषय में 50 प्रतिशत अंक हो/02 वर्षीय व्यावसायिक कोर्स या इन्टरमिडिएट मेट्रिकुलेशन में अंग्रेजी विषय में 50 प्रतिशत अंकों के साथ जिसमें अंग्रेजी विषय में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक हो।

'भारत वन' परियोजना स्थल पर भिलाई महिला समाज द्वारा पौधरोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधि के अंतर्गत ग्राम नेवई में छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (सीएसवीटीयू) के समीप विकसित किए जा रहे 'भारत वन' परियोजना स्थल पर 16 जुलाई 2025 को भिलाई महिला समाज द्वारा बीएसपी- सीएसआर विभाग के संयुक्त तत्वाधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में भिलाई महिला समाज की उपाध्यक्ष स्मिता गिरी, छवि निगम एवं पूनम कुमार, सचिव सोनाली रथ, कोषाध्यक्ष शिखा जैन, संयुक्त कोषाध्यक्ष रीता तिवारी, कार्यकारिणी सदस्य रूमा दत्ता सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहीं। सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के इस सामूहिक प्रयास में अपनी सहभागिता निभाई।

उल्लेखनीय है कि 'भारत वन' परियोजना का क्रियान्वयन सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा एनवायरो क्रिएटर्स फाउंडेशन के सहयोग से किया जा रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत ग्राम नेवई में 17 एकड़ भूमि पर 114 प्रजातियों के एक लाख आठ हजार पौधों का रोपण किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र की जैव विविधता को सुदृढ़ किया जा सके।

महिला समाज की पदाधिकारियों ने 'भारत वन' को सामुदायिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने की दिशा में एक अनुकरणीय पहल बताया और संयंत्र प्रबंधन को इसके लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। यह क्षेत्र पूर्व में कचरे का डंपिंग ग्राउंड हुआ करता था, जिसे अब एक हरित वन क्षेत्र में रूपांतरित कर पर्यावरणीय पुनर्स्थापन का प्रेरणास्रोत बनाया जा रहा है। इस परियोजना में दो तालाब, एक एम्फीथिएटर, सोलर पैनल, पेयजल सुविधा, शौचालय, जंगल सूचना बोर्ड, भ्रमण हेतु 3 किलोमीटर का पैदल ट्रैक, पार्किंग क्षेत्र तथा सम्पूर्ण परिसर की चेन लिंक फेंसिंग जैसी सुविधाओं का विकास भी प्रस्तावित है। विदित हो कि इस परियोजना का भूमिपूजन दिनांक 27 अप्रैल 2025 को कार्यपालक निदेशकपवन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्ता एवं 'मियावाकी मैन ऑफ इंडिया' के रूप में विख्यात डॉ. राधाकृष्णन नायर की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ था।

इसी क्रम में दिनांक 17 जुलाई 2025 को संयंत्र के ऑफिसर एसोसिएशन पदाधिकारियों एवं सेवा फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा भी वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

कलेक्टर सिंह ने किया शासकीय प्राथमिक शाला पुलगांव का औचक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्राप्त पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता और वितरण की स्थिति का जायजा लेने कलेक्टर अभिजीत सिंह ने पुलगांव स्थित शासकीय प्राथमिक शाला का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सिंह ने उपस्थित समग्र शिक्षा अधिकारी सुरेन्द्र पाण्डेय एवं प्राचार्य से पाठ्यपुस्तक वितरण संबंधी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बच्चों की पढ़ाई किसी भी स्थिति में बाधित न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने शिक्षकों से पाठ्यक्रम की प्रगति, कक्षा संचालन की प्रक्रिया और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि

बच्चों की शिक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए प्रशासन पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक विद्यालय में सभी विद्यार्थियों तक पाठ्यपुस्तकों की आपूर्ति समय पर और सुनिश्चित रूप से की जाए।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत मेयर अलका बाघमार ने किया पौधरोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम/सावन माह के पावन अवसर पर नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा पर्यावरण संरक्षण को समर्पित एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत महा-लक्ष्मी मार्केट, पुलगांव चौक, वार्ड क्रमांक 55 में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दुर्ग नगर निगम की महापौर अलका बाघमार ने गुलमोहर और नीम सहित विभिन्न प्रकार जैसे पौधों का रोपण किया इस अवसर पर महापौर ने उपस्थित एमआईसी सदस्य, पार्षदगण एवं व्यापारियों के साथ मिलकर प्रकृति को नमन करते हुए कहा प्रकृति के बिना व्यक्ति का अस्तित्व संभव नहीं है।

हमें विकास के साथ प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना चाहिए। हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह पेड़ लगाकर प्रकृति की आराधना करें। उन्होंने आगे कहा कि एक वृक्ष लगाना केवल

एक पौधा रोपना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व सुरक्षित पर्यावरण की नींव रखना है। यह अभियान न केवल पर्यावरणीय सुरक्षा का संदेश देता है, बल्कि प्रकृति से भावनात्मक जुड़ाव को भी प्रोत्साहित करता है। महापौर श्रीमती बाघमार ने पौधों की देखभाल का जिम्मा स्वयं उठाने और नागरिकों से भी अपील की कि वे अपने घर, गली व मोहल्ले में अधिकाधिक वृक्ष लगाएं और उन्हें जीवित व संरक्षित रखें।

बीएसपी ने 17वीं सब-जूनियर छत्तीसगढ़ राज्य मुक्केबाजी प्रतियोगिता में 8 पदकों के साथ जीता खिताब

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के क्रीडा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ के अंतर्गत कार्यरत बीएसपी बॉक्सिंग क्लब की सब-जूनियर टीम ने 17वीं सब-जूनियर छत्तीसगढ़ राज्य मुक्केबाजी प्रतियोगिता 2025-26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 19 पॉइंट्स के साथ विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

यह प्रतियोगिता बिलासपुर के रेलवे स्टेडियम में बिलासपुर एमेच्योर मुक्केबाजी एसोसिएशन द्वारा आयोजित की गई थी, जिसमें प्रदेश के 13 जिलों से कुल 115

मुक्केबाजों ने भाग लिया।

इस प्रतियोगिता में भिलाई इस्पात संयंत्र की सब जूनियर टीम ने भाग लिया और जिसमें 9 मुक्केबाजों की टीम ने 4 स्वर्ण, 3 रजत एवं 1 कांस्य पदक जीतकर विजेता का खि़ताब जीतने में कामयाबी पाई। प्रतिभागी मुक्केबाजों में दिव्यम खोब्रागड़े, निर्भय चौधरी, नमन कु. साव एवं नितिश कु. साव ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया वहीं समीर शर्मा, चितेश्वर एवं अनुज साव ने रजत पदक और युवराज पंडित ने कांस्य पदक जीतकर भिलाई इस्पात संयंत्र का नाम रौशन किया। इसके अतिरिक्त इस प्रतियोजिता में 11 पॉइंट्स के साथ रायपुर की टीम ने उपविजेता का खिताब भी प्राप्त किया।

भिलाई इस्पात संयंत्र की सब जूनियर टीम की इस उपलब्धि पर बीएसपी बॉक्सिंग क्लब के अध्यक्ष, ओलंपियन एवं अर्जुन अवार्डी, उप महाप्रबंधक राजेन्द्र प्रसाद, कोषाध्यक्ष रजनीश सिंह तथा सचिव तीरथ राउत, टीम के प्रशिक्षक तीरथ राउत तथा सी.एम. ठाकुर सहित भिलाई स्टील प्लांट मुक्केबाजी क्लब के सभी सदस्यों एवं छत्तीसगढ़ मुक्केबाजी संघ के सभी पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

इंटरनेशनल वॉफल डे पर भिलाई-दुर्ग में बेल्जियम वॉफल्स के स्टोर्स पर लगी लंबी कतारें, ऑफर्स ने ग्राहकों को किया आकर्षित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हर साल 16 जुलाई को मनाया जाने वाला इंटरनेशनल वॉफल डे इस बार भिलाई और दुर्ग के वॉफल प्रेमियों के लिए खास बन गया। भारत की सबसे तेजी से बढ़ती डेज़र्ट चेन 'बेल्जियम वॉफल्स' ने इस मौके पर अपने भिलाई स्मृति नगर और दुर्ग आदर्श नगर स्थित आउटलेट्स पर विशेष ऑफर्स की घोषणा की, जिससे दोनों स्टोर्स पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी।

ग्राहकों में दिखा वॉफल्स को लेकर उत्साह

सुबह से ही स्टोर्स पर ग्राहकों की चहल-पहल शुरू हो गई थी, जो शाम होते-होते लंबी कतारों में बदल गई। युवा,

बच्चों वाले परिवार, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, और वॉफल प्रेमियों ने इस मौके को खुलकर सेलिब्रेट किया। बेल्जियम वॉफल्स की तरफ से Buy v Get v Free, फ्लैट 50% डिस्काउंट जैसे आकर्षक ऑफर्स दिए गए, जो पूरे दिन ग्राहकों के आकर्षण का केंद्र बने रहे।

बेल्जियम वॉफल्स – स्वाद, नवाचार और गुणवत्ता का संगम

भारत में वॉफल्स को लोकप्रिय बनाने वाली पहली और सबसे बड़ी ब्रांड मानी जाने वाली बेल्जियम वॉफल्स कंपनी अपने यूरोपियन टेस्ट और भारतीय स्वाद के संतुलन के लिए प्रसिद्ध है। कंपनी की खासियत है ङ्क हर ऑर्डर को ताज़ा बनाना, यूनिक फ्लेवर प्रोफाइल और युवाओं को ध्यान में रखते हुए किफायती मूल्य।

डिजिटल ट्रेंड्स और सोशल मीडिया पर धूम

इंटरनेशनल वॉफल डे के मौके पर ग्राहकों ने अपने अनुभव को इंस्टाग्राम, फेसबुक और स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया। #WaffleDayWithBelgiumWaffles हैशटैग ट्रेंड करने लगा और लोगों ने स्टोरीज, रील्स व फोटोज़ में बेल्जियम वॉफल्स के स्वाद की तारीफकी।

वॉफल कल्चर को मिल रहा नया जीवन

जहां पहले वॉफल्स को केवल मेट्रो सिटीज़ का ट्रेंडी डेज़र्ट माना जाता था, वहीं अब भिलाई और दुर्ग जैसे इंडस्ट्रियल-सिटी हब्स में भी फूड कल्चर में बदलाव देखा जा रहा है। युवाओं और नए उद्यमियों में डेज़र्ट ब्रांड्स को लेकर उत्साह है और इसके चलते बेल्जियम वॉफल्स जैसी अंतरराष्ट्रीय ब्रांड का प्रादेशिक स्तर पर विस्तार भी तेज़ी से हो रहा है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

एम्स हॉस्पिटल प्रबंधन ने वित्त वर्ष 2025-26 का सम्पतिकर निगम जोन-8 राजस्व विभाग को सौंपा

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के राजस्व विभाग द्वारा निगम क्षेत्र के बड़े बकायादारों को डिमांड नोटिस जारी करने की कार्यवाही आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार अपर आयुक्त यूएस अग्रवाल, उपायुक्त डॉक्टर अंजलि शर्मा के निर्देश पर की जा रही है। इसके अंतर्गत नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल के निर्देश पर जोन 8 जोन राजस्व विभाग की टीम के कर्मचारियों द्वारा सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल के नेतृत्व में एम्स हॉस्पिटल प्रबंधन टाटीबंध जीई मार्ग रायपुर को वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 का सम्पतिकर, जलकर, यूजर चार्ज, समेकित कर, सभी निगम करों का 41लाख 66 हजार 20 रूपये का डिमांड नोटिस दिया गया। डिमांड नोटिस मिलने पर तत्काल एम्स हॉस्पिटल प्रबंधन द्वारा निगम जोन 8 राजस्व विभाग को वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 का सम्पतिकर, जलकर, समेकित कर, यूजर चार्ज राशि रूपये 41 लाख 66 हजार 20 रूपये का धनादेश प्रदत्त कर सम्पूर्ण निगम करों की अदायगी कर दी है।

आईटीआई में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन 23 जुलाई तक आमंत्रित

रायपुर। शासकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था रायपुर में संचालित व्यवसाय के तहत कोपा, स्टेनो हिंदी, सहित अन्य रिक्त सीटों व राज्य के अन्य शासकीय आईटीआई रिक्त सीटों में प्रवेश के लिए 16 जुलाई 2025 से 23 जुलाई 2025 तक ऑनलाइन आवेदन वेबसाइट cgiti.admissions.nic.in में जाकर आवेदक अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते है 7 आवेदन करने के आवेदक छत्तीसगढ़ राज्य का मूलनिवासी होना आवश्यक है 7 प्रवेश हेतु संबंधित जानकारी विभाग के वेबसाइट cgiti.admissions.nic.in पर उपलब्ध है।

विद्युत कर्मियों ने उठाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के डंगनिया औषधालय द्वारा विद्युत कर्मियों के

लिए निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर मे तीनों कंपनी जनरेशन, ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन के कर्मियों ने विशेषज्ञों से परामर्श एवं चिकित्सा के संबंध मे जानकारी प्राप्त की। लगभग 50 कर्मियों ने इस शिविर से लाभ उठाया।यह शिविर कार्डियो, नेफ्रो, आर्थो एवं गैस्ट्रो के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

डगनिया औषधालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एच एल पंचारी ने बताया कि शिविर का उद्देश्य कर्मियों को गंभीर बीमारियों के लक्षण, विशेषज्ञों के परामर्श एवं चिकित्सा संबंधी संपूर्ण जानकारी देने के लिए आयोजित किया गया। समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न शिविरों का आयोजन करके हम कर्मियों को सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं देते हैं। कोई भी बीमारी का पता लगाने के लिए पहला कदम रोगी का परीक्षण और परामर्श ही होता है। श्री पंचारी ने जानकारी दी कि श्री मेडिशाइन अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान मे शिविर संपन्न हुआ। अस्पताल प्रबंधन से आये डॉ सुशील शर्मा (ऑर्थोपेडिक एंड जॉइंट रिपेलेसमेंट सर्जन), डॉ. तुषार बहादुरे (नेफ्रोलाजिस्ट), डॉ. संजय अग्रवाल (गैस्ट्रोएंटेरोलाजिस्ट), डॉ. जोगेश विसंदासानी (कार्डियोलॉजिस्ट) ने अपनी सेवायें दी। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. इंदू साहू एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्वेता जैन उपस्थित थी।

रेल संरक्षा के सजग प्रहरी का महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर-बिलासपुर। रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हर माह आयोजित संरक्षा बैठक के दौरान किया जाता है। इसी कड़ी में जुलाई 2025 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत संरक्षा कोटि के 07 कर्मचारियो को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा सबंधी कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के द्वारा सम्मानित किया गया।

बिलासपुर रेल मण्डल के टीएम-II (गेट कीपर) ब्रजराजनगर, संतोष कुमार साहू ने 16 जून, 2025 को अपने ड्यूटी के दौरान लेवल क्रॉसिंग गेट-267 (लचकुड़ा-बेलपहाड़ खण्ड) में कार्य के दौरान लॉन्ग हौल ट्रेन में फ्लैट टायर देखा और तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दी। तत्पश्चात, तुरंत कार्यवाही कर ट्रेन को सुरक्षित रवाना किया गया । इस प्रकार संतोष कुमार साहू की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई।

बिलासपुर रेल मण्डल के संकेत अनुरक्षक-1/कोतरलिया, बटेश्वर कुमार ने दिनांक 16 जून, 2025 को अपने ड्यूटी के दौरान कोतरलिया वेस्ट यार्ड के किलो मीटर नंबर 577/02-576/32 के बीच बटेश्वर कुमार ने ट्रैक सर्किट नंबर 6AT के पॉजिटिव रेल में रेल फैक्चर देखा और तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दी। तत्पश्चात, तुरंत कार्यवाही कर ट्रैक को रेल यातायात के लिए ठीक किया गया। इस प्रकार बटेश्वर कुमार की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई।

बिलासपुर रेल मण्डल के ट्रैक मेंटेनर-II/ विलायतकला रोड, रामप्रकाश ने 09 जून, 2025 को अपने ड्यूटी के दौरान विलायतकला रोड- रूपोंद सेक्शन मे किलो मीटर 1009/34-36 के बीच मध्य डाउन लाईन में एक टंग रेल फ्रेक्चर देखा और तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दी । तत्पश्चात, तुरंत कार्यवाही कर ट्रैक को रेल यातायात के लिए ठीक किया गया । इस प्रकार रामप्रकाश की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई।

रायपुर रेल मण्डल के ट्रैक मेंटेनर-I/ सरोना, गैबरियल मरे ने 31 मई, 2025 को अपने ड्यूटी के दौरान किलो मीटर 834/35-37 के बीच मिडिल लाईन में मालगाड़ी के गुजरने के दौरान देखा कि मालगाड़ी के पहिये में हॉट एक्सल के कारण धुआँ तथा आग की लपटे निकल रही थी। इन्होने तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दी। तत्पश्चात, तुरंत कार्यवाही कर ट्रेन को सुरक्षित रवाना किया गया। इस प्रकार गैबरियल मरे की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई।

रायपुर रेल मण्डल के ट्रैक मेंटेनर-II/ मांढर, दिलीप कुमार ने 29 मई, 2025 को अपने ड्यूटी के दौरान किलो मीटर 821/12-14 के बीच मिडिल लाईन पर स्विच एक्सटेंशन जोड़ खुला हुआ पाया, इन्होने तत्परता दिखाते हुए उस लाईन पर आ रही गाड़ी संख्या 12409 गोंडवाना एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर सुरक्षित दूरी पर रूकवाया एवं तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दी। तत्पश्चात, तुरंत कार्यवाही कर ट्रेन को सुरक्षित रवाना किया गया। इस प्रकार दिलीप कुमार की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई ।

नागपुर रेल मण्डल के तकनीशियन-III छिंदवाड़ा, संजय सराठे ने 25 मई, 2025 को अपने ड्यूटी के दौरान गाड़ी संख्या 59395/19344 (पेंचवैली एक्सप्रेस) के रोलिंग इन परीक्षण के दौरान देखा कि एक कोच (नं.-WR-054194/CGS) की ट्रेलिंग ट्रॉली मे Truss Bar के वर्टिकल फ्लोटिंग लीवर और पिस्टन रॉड की कनेकटिंग पिन अलग हो गयी थी जिसके अभाव मे बोगी कॉम्पोनेंट लटक कर एक्सल से रगड़ खा रही थी। इन्होने तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया और फिर आगे की कार्यवाही कर ट्रेन को सुरक्षित रवाना किया गया । इस प्रकार संजय सराठे की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई।

नागपुर रेल मण्डल के वरिष्ठ तकनीशियन/ छिंदवाड़ा, महेश कुमार ने 25 मई, 2025 को अपने ड्यूटी के दौरान पहाड़े स्टेशन यार्ड में रोलिंग इन परीक्षण के दौरान ट्रेन 20423 पातालकोट एक्सप्रेस के इंजिन से 11वें कोच के लीडिंग ट्रॉली की स्प्रिंग टूटी हुई देखी, जिसकी सूचना इन्होने तत्काल सर्वसंबंधित को दिया और फिर आगे की कार्यवाही कर ट्रेन को सुरक्षित रवाना किया गया। इस प्रकार महेश कुमार की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई। संरक्षा कोटि के 07 कर्मचारियो को सम्मानित किए जाने के अवसर पर अपर महाप्रबंधक, प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी अन्य विभागाध्यक्ष सहित अधिकारीगण उपस्थित थे ।

स्मृति पुस्तकालय योजना की हुई शुरूआत, पहले दिन खुलकर किया दान, मिली 804 से अधिक पुस्तकें

जो दानदाता किताबें देंगे, उन किताबों में उनके नाम के स्टीकर लगाये जाएंगे, कलेक्टर देंगे प्रमाणपत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अच्छी किताबें पढ़ने के बाद हम सभी चाहते हैं कि जो विद्या हमने इससे सीखी है उसे दूसरों तक भी पहुंचाएं और इसके लिए पुस्तकालयों को किताबें देने से बेहतर कुछ नहीं जहां किताबों के प्रेमी आते हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय हमेशा पठन-पाठन को बढ़ावा देने का जतन करते हैं और उनके निर्देशानुसार जिला प्रशासन रायपुर द्वारा पुस्तकालय उत्कर्ष योजना की शुरूआत की गई है इस योजना के तहत लोग प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित किताबें, साहित्यिक किताबें एवं अन्य जानकारीपरक किताबें दान कर सकेंगे ताकि इसका लाभ बड़ी आबादी को मिल सके।

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में पुस्तकालय उत्कर्ष योजना की शुरूआत आज रेडक्रास सभाकक्ष में की गई। जिसका उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों का उनके पाठयक्रम व प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु आवश्यक पुस्तकें व साहित्य प्रेमी लोगों के लिए हेतु पुस्तके उपलब्ध कराना तथा समाज के सभी वर्ग में पठन अभिरूची का विकास कराना है। आयोजित इस कार्यक्रम में 33 दानदाताओं ने 804 पुस्तकें दान में दी। इनमे विद्यार्थियों द्वारा दी गई स्कूली किताबें शामिल हैं तो योजना प्रकाशन द्वारा 1.50 लाख रूपए की हाल ही में प्रकाशित हुई किताबें दी गई। साथ ही राहुल कुमार सिंह और सेवानिवृत इंजीनियर राम टेके द्वारा पुरातत्व पर आधारित स्वयं की लिखी हुई किताबे दान की। वहीं रोल बोल फांउडेंशन ने लैपटाप दिया। दान की गई पुस्तकों में जेईई से लेकर तमाम प्रतियोगी परीक्षाओ के लिए किताबें शामिल थी। सभी के चेहरे में खुशियों से भाव थे जिससे परिलक्षित हो रहा था कि विद्या दान महादान है। इन किताबें में दानदाताओं नाम के स्टीकर लगाए गए और कलेक्टर द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित भी किया गया।

कलेक्टर ने कहा कि हमारे आस-पास कई जरूरतमंद विद्यार्थी होते है जिनमें पढ़ने की ललक तो होती है मगर उनके पास शैक्षणिक संसाधन जैसे किताबें इत्यादि नहीं होती है इस योजना से उन्हे पुस्तकें उपलब्ध होगी और उन्हे इनका अध्ययन कर परीक्षा उतीर्ण अपने लक्ष्य प्राप्त करेंगे। जब इनमें से वे आइएएस, आइपीएस, डिप्टी कलेक्टर, इंजीनियर, डाक्टर या साइंसिस्ट बनेंगे अन्य कोई शासकीय नौकरी या कोई अन्य कोई रोजगार प्राप्त करेंगे, तो उस जगह पर पहुंचने वाला दानदाता को याद रखेगा और धन्यवाद देगा। यह छोटी सी मदद उसके सपनों को पूरी करने में मदद करेगी। कलेक्टर ने आम जनों से आगे बढकर इस योजना में सहभागी होने की अपील भी की।

पुस्तक दानदाता छात्रा प्रियंका नारायण ने बताया कि प्रशासन द्वारा शुरू की गई इस योजना में प्रतियोगी परीक्षाओं के तैयारी करने वाले बच्चों के लिए मैने 25 बुक डोनेट किया है। जो बच्चे बुक पढ़ या खरीद नही पाते उनके लिए जिला प्रशासन की यह अनोखी पहल है। जिसमें वे पढ़ कर सीख पाएंगे। विद्यादान महादान मैं आशीष श्रीवास्तव योजना चक्र पब्लिकेशन से मुख्यमंत्री श्री साय के पहल स्मृति पुस्तकालय योजना में मैने 500 किताबें डोनेट की है जो जरूरतमंद लोगों तक किताबें पहुंच नहीं पाती है जो प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं उन तक यह किताबें पहुंच सके, इसके लिए मैने किताबें डोनेट किया है। दानदाता श्रीमती गीता शर्मा है ने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से जो ये पहल की गई है वह सराहनीय है। जो जरूरत मंद बच्चे हैं उनके लिए जिस प्रकार से हम किताबें दान कर रहे हैं या हम ला रहे हैं उनको सुविधा दे रहे हैं यह बहुत अच्छी पहल है क्योंकि यहां जाएं किसी रद्दी की टोकरी में फेंकने के लायक नहीं होता वो कभी न कभी किसी न किसी के काम आता है इसमें हम अपना योगदान दे रहे हैं इसके लिए हम बहुत बहुत आभारी हैं।

33 दान दाताओं ने दिया दान

स्मृति पुस्तकालय योजना के तहत 33 दान दाताओं ने किताबे दान दी। इनमें सागर दुबे, लुमेश कुमार, राजेश गोयल, श्रीमती संगीता अग्रवाल, सीमा बोस, संतोष शर्मा, सुरजीत सिंह छाबड़ा, प्रेमचंद, कुमारी प्रियंका नारायण, योजना पब्लिकेशन, डॉ. टीआर रामटेके, प्रणय शुक्ला, डॉ हामिद खान, डॉ मनीष मजूमदार, रॉलबाल कम्युनिटी, अभिलाष अग्रवाल, श्रीमती जीनत सबा, कुमारी मेघापाल, कुमारी रश्मि यदु, प्रफुल्ल ध्रुव, गीता शर्मा, करण बाघ, शशांक देवांगन, योगेन्द्र कुमार, विवेक कुमार तिवारी, सचिन साहू, मनोज नायक, कुमारी प्रिया झा, कुमारी महिमा सोनबरसी, कुमारी हिमांशी बघेल, अशोक कुमार साहू, लक्की शर्मा एवं राहुल कुमार सिंह शामिल हैं।

पॉवर कंपनी के वृक्षारोपण महोत्सव में उपभोक्ता भी बन रहे भागीदार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के 50 हजार वृक्षारोपण के लक्ष्य को तेजी से पूरा किया जा रहा है। उत्पादन कंपनी के संयंत्रों, पारेषण कंपनी के सभी उपकेंद्रों और वितरण कंपनी के दफ्तरों में पौध रोपण का कार्य प्रारंभ हो चुका है। इसकी मॉनिटरिंग मुख्यालय स्तर पर की जा रही है। साथ ही मुख्यालय दफ्तर में अधिकारी-कर्मचारियों के साथ उपभोक्ता और आमजन भी इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज ने प्रदेश भर में फैले बिजली दफ्तरों में 50 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। इसका शुभारंभ डिस्ट्रीब्यूशन एवं जनरेशन कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने किया। जिसके बाद तीनों कंपनी ने कंट्रोल रूम बनाकर इसकी सतत् मॉनिटरिंग के लिए सेल बनाया है।

अतिरिक्त मुख्य अभियंता विनोद कुमार अग्रवाल ने बताया कि पॉवर कंपनी ने पूरे प्रदेश में फैले तीन हजार से अधिक बिजली दफ्तर, विद्युत उपकेंद्र और विद्युत उत्पादन संयंत्रों की रिक्त भूमि में छायादार और फलदार पौधे लगाने का संकल्प लिया है। अगले 10 अगस्त तक इस लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा। इसके तहत सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में नोडल अधिकारी तैनात किये गए हैं, जो हर बिजली दफ्तर, उपकेंद्र और संयंत्र में पौधरोपण की मानिटिरिंग कर रहे हैं।

इसके अलावा अधिकारी-कर्मचारियों को पौधरोपण के लिए प्रेरित करने पॉवर कंपनी के डंगनिया मुख्यालय में भी पौधे वितरित करने की व्यवस्था की गई है, जिसमें बिजली बिल जमा करने एटीपी सेंटर पहुंचे उपभोक्ता भी पौधे ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि अधिकारी-कर्मचारी पौधे लगाकर मोर बिजली कंपनी एप में अपनी फोटो अपलोड कर रहे हैं, अभी तक 300 से अधिक फोटो अपलोड हो चुके हैं। इनमें से चुने हुए अधिकारी-कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय की अमानत राशि में कटौती, छात्रों को मिलेगी राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर ने छात्र हित में सभी स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की अमानत राशि में बड़ी कटौती की है। अब तक प्रवेश के समय एक बार ली जाने वाली 3000 रुपए की अमानत राशि को कम करके 1000 रुपए कर दिया गया है। इसके साथ ही डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का शिक्षण शुल्क घटाकर मात्र 1000 रुपए किया गया है। इससे छात्रों को बड़ी राहत मिलेगी।

विश्वविद्यालय में संचालित पीजीडीसीए (PGDCA) और डीसीए

(DCA) पाठ्यक्रमों का शिक्षण शुल्क 4400 रुपए से घटाकर 1000 प्रति सेमेस्टर किया गया है, वहीं पीजीडीजे (PGDJ) पाठ्यक्रम की फीस भी 4950 से घटाकर 1000 प्रति सेमेस्टर निर्धारित की गई है।

कुलपति एवं संगागायुक्त महादेव कावरे ने कहा कि इस पहल से छात्रों पर आर्थिक भार कम होगा और अधिक विद्यार्थी उच्च शिक्षा की ओर आकर्षित होंगे। इससे विभिन्न सामाजिक, आर्थिक पृष्ठभूमि वाले विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। सभी पाठ्यक्रमों की अमानत राशि और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के शिक्षण शुल्क को कम करने का उद्देश्य यह है कि अधिक से अधिक संख्या में छात्र कम खर्च में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकें। विश्वविद्यालय की विद्यापरिषद की बैठक में शिक्षण शुल्क युक्तियुक्तकरण की अनुशंसा की गई थी। इसका कार्यपरिषद की बैठक में अनुमोदन किया गया है। तत्पश्चात अधिसूचना जारी की गई।

विभिन्न विभागों के छात्राओं व प्राध्यापकों ने देखी छत्तीसगढ़ विधानसभा की कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। डॉ. राधाबाई शासकीय नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ के विभिन्न विभागों के छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रीति मिश्रा के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में विधानसभा की कार्यवाही से रुबरु हुए। जिसका उद्देश्य छात्राओं में भारतीय संसदीय व्यवस्था की जानकारी देना था। छात्राओं ने देखी की कैसे विधानसभा संचालित होती है।

विधानसभा अध्यक्ष की क्या भूमिका है। कैसे विपक्षी सदस्यों के साथ ही साथ सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित विषयों पर प्रश्न पुछकर सरकार को घेरने का प्रयास किया जाता है। इन सब के बीच अध्यक्ष दोनों पक्षों के बीच सामंजस्य स्थापित करते हुए सदन का संचालन करते हैं। छात्राओं ने विधानसभा में स्थित विशाल लाइब्रेरी का भी अवलोकन किया तथा भारतीय संविधान की मुल कृति का अवलोकन किया। इस वर्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा का रजत जयंती वर्ष मनाया जा रहा है।

इसी परिप्रेक्ष्य में प्रथम विधानसभा से लेकर अब तक हुए महत्वपूर्ण घटनाओं से संबंधित फोटो प्रदर्शनी लगाई गई है,जिसका अवलोकन अध्ययन दल ने किया। साथ ही विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के साथ हुएं समूह छायाचित्र से सभी छात्राएं प्रफुल्लित हुए। विधानसभा में स्थापित विशालकाय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ छात्राओं को आकर्षित कर रही थी। छात्राओं ने सदन की कार्यवाही में देखें कि विपक्षी सदस्यों ने उद्योगों एवं जल जीवन मिशन से संबंधित प्रश्न पूछे जिसका विभागीय मंत्रीयो ने जवाब दिया।छात्राओं ने देखा कि अध्यक्ष एक शिक्षक की भूमिका में दोनों पक्षों को नियंत्रित करते हुए शांतिपूर्वक तरीके सदन को संचालित कर रहे थे।

छात्राओं को संसदीय व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया गया कि सरकार के तीन अंग होते हैं,व्यवस्थापिका, कार्यपालिका तथा न्यायपालिका। जिसमें से सबसे महत्वपूर्ण अंग व्यवस्थापिका होती है जो कानून बनाने के साथ ही साथ सरकार को नियंत्रित करने का कार्य करतीं हैं। छात्राओं को नवा रायपुर में बन रही नयी विधानसभा का मॉडल भी दिखाया गया और बताया कि नवा रायपुर के सेक्टर-19 में 51 एकड़ भूमि पर छत्तीसगढ़ की नवीन विधानसभा का निर्माण तीव्र गति से जारी है। जहां भविष्य में परिसिमन को ध्यान में रखते हुए 200 सदस्यों की बैठक व्यवस्था होगी। इसे सितम्बर 2025 तक हर हाल में पूर्ण करने तथा राज्य स्थापना दिवस एक नवंबर को उद्घाटन करने का निर्धारण किया गया है।

यह भवन छत्तीसगढ़ की लोकतांत्रिक चेतना और सांस्कृतिक गरिमा का प्रतीक बनेगा। इसकी भव्यता और कार्यक्षमता नई पीढ़ी को प्रेरित करेगी। नवीन विधानसभा भवन के निर्माण कार्यों को तीन प्रमुख विंगों में विभाजित किया गया है- विधानसभा सचिवालय, विधानसभा सदन और सेंट्रल हॉल परिसर।इनमें दर्शक दीर्घा, मीडिया दीर्घा, सभागृह कक्ष, पुस्तकालय, विद्युतीकरण, वातानुकूलन, डामरीकरण, उद्यानिकी, जल एवं विद्युत आपूर्ति, आंतरिक साज-सज्जा और फिक्स्ड फर्नीचर का कार्य तीव्र गति से जारी है। संस्कृति विभाग द्वारा परिसर में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-संस्कृति को समर्पित संग्रहालय का निर्माण भी किया जाएगा, जो राज्य की सांस्कृतिक विविधता और धरोहर को प्रदर्शित करेगा। अध्ययन दल में डॉ. रुपा सल्होत्रा, डॉ. नम्रता शर्मा, डॉ. ज्योति मिश्रा, डॉ. श्राद्ध मिश्रा तथा डॉ. भूपेंद्र कुमार साहू सहित बड़ी संख्या में छात्राएं शामिल थीं।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

निक्की तंबोली ने किया वीगन डाइट अपनाने का फैसला

अभिनेत्री निक्की तंबोली ने शाकाहारी बनने का फैसला किया है। इसकी घोषणा उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए की। निक्की तंबोली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की, जिस पर लिखा था, गो वीगन यानी वीगन बनो। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, वीगन होना केवल एक डाइट नहीं है, बल्कि यह दिल से लिया गया एक फैसला है। मैं खुद इस बदलाव को अपनाना चाहती हूं, जो मैं इस दुनिया में देखना पसंद करूंगी।

निक्की ने अपने फैसले के पीछे की वजह का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा, काफी समय से मैं इस बारे में सोच रही थी और आखिर में मेरे दिल ने मुझे यह फैसला लेने के लिए कहा। मुझे यह एहसास हो गया कि मेरे लिए किसी जानवर को मारने की जरूरत नहीं है। मुझे लगता है कि बदलाव अपने घर से शुरू होता है। इसलिए, मैंने खुद वीगन बनने का फैसला किया। इससे मुझे शांति और सुकून मिल रहा है।

निक्की ने बताया कि उन्होंने खुद अपनी पसंद से वीगन बनने का फैसला लिया है, यह किसी और की वजह से या किसी के कहने पर लिया गया फैसला नहीं है।

निक्की ने कहा, यह मेरा निजी फैसला है और मैं अपने फैसले से बेहद खुश हूं। मेरा रिश्ता या डेटिंग लाइफ यह तय नहीं कर सकती कि मैं क्या खाऊं? मेरे लिए मेरी अपनी पहचान और खुद से जुड़ाव सबसे ज्यादा जरूरी है, और मैं इसमें कभी समझौता नहीं कर सकती। यह मेरा व्यक्तिगत फैसला है और इसका मेरे पार्टनर के धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। धर्म और खाने-पीने की पसंद अलग-अलग बातें हैं, इन्हें मिलाना सही नहीं है। मैं हमेशा अपने दिल और अंदर की आवाज को सुनती हूं और आगे भी ऐसा ही करती रहूंगी। मैं उम्मीद करती हूं कि और लोग भी अपने दिल की सुनें और इस दुनिया को जानवरों के लिए एक बेहतर और शांत जगह बनाएं।

बता दें कि निक्की तंबोली अभिनेता अरबाज पटेल के साथ रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में है।

क्या आशिकी 3 के लिए मोहित सूरी के साथ फिर साथ आएंगे आदित्य रॉय कपूर, श्रद्धा कपूर?

2013 में रिलीज हुई आशिकी 2 को बड़ी सफलता मिली थी। इस संगीतमय रोमांटिक ड्रामा में आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिका में थे। इस फिल्म को पिछले कुछ वर्षों में एक कल्ट का दर्जा प्राप्त है। आशिकी 3 को लेकर चल रही चर्चा के बीच, निर्देशक मोहित सूरी ने आशिकी फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म में आदित्य और श्रद्धा को फिर से साथ लाने के बारे में अपनी चुप्पी तोड़ी है। मोहित सूरी ने आशिकी 3 में आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर को कास्ट करने के बारे में बात की

फिल्मी ज्ञान के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में, मोहित सूरी से पूछा गया कि क्या वह आशिकी 3 में आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर के साथ काम करेंगे। निर्देशक ने यह कहकर टाल दिया कि निर्माता उन्हें फिल्म में नहीं लेना चाहते। सूरी ने तब कहा कि वह उन्हें मुख्य भूमिका में लेकर एक फिल्म बनाना पसंद करेंगे; हालाँकि, वह एक अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, आशिकी का बोझ मेरे सिर पर गिर रहा है।

फिल्म निर्माता ने आगे बताया कि उन्हें आशिकी 2 से बेहतर स्क्रिप्ट की जरूरत है, जो एक चुनौतीपूर्ण काम है। सैयारा मूल रूप से

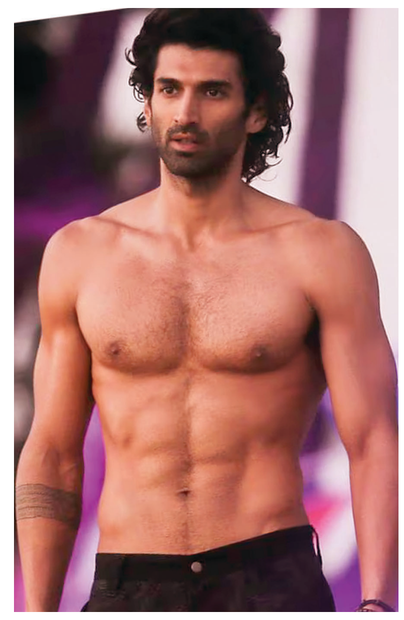

आशिकी 3 थी पिंकविला को दिए एक हालिया साक्षात्कार में, मोहित सूरी ने खुलासा किया कि सैयारा का आइडिया मूल रूप से आशिकी 3 के लिए था। सूरी ने बताया कि उन्हें आशिकी फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त के लिए एक ड्राफ्ट तैयार करने के लिए कहा गया था। मुकेश भट्ट और भूषण कुमार के बारे में बात करते हुए, फिल्म निर्माता ने हमें बताया, वे जल्दी में थे और घोषणा करना चाहते थे, जो कि मैं सहज नहीं था। मैं पहले एक स्क्रिप्ट तैयार करना और फिर घोषणा करना पसंद करता हूँ। लेकिन संक्षेप में, हाँ, यह आइडिया मूल रूप से आशिकी 3 के लिए था।

आशिकी 2 के बारे में सब कुछ आशिकी फ्रेंचाइजी की दूसरी किस्त, आशिकी 2, 26 अप्रैल, 2013 को रिलीज हुई थी। यह फिल्म बॉलीवुड में आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर के करियर के लिए एक बड़ी उपलब्धि साबित हुई। विशेष फिल्म्स और टी-सीरीज फिल्म्स के बैनर तले निर्मित, यह संगीतमय रोमांटिक ड्रामा आदित्य और श्रद्धा के बीच ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री, मधुर साउंडट्रैक और भावनात्मक प्रेम कहानी के लिए बेहद पसंद किया जाता है।

ऐश्वर्या खरे ने बताई 'छोरियां चली गांव' का हिस्सा बनने की वजह

'भाग्य लक्ष्मी' शो में लक्ष्मी के किरदार से घर-घर में मशहूर हुई टीवी एक्ट्रेस ऐश्वर्या खरे अब एक नए रूरल रिएलिटी शो 'छोरियां चली गांव' में हिस्सा ले रही हैं। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने खुलासा किया कि वह आखिर क्यों शो में जा रही हैं और उन्हें इस शो में क्या खास लगा।

आईएएनएस से बात करते हुए ऐश्वर्या ने कहा कि लंबे समय तक लक्ष्मी का किरदार निभाने से लोग उन्हें उसी भूमिका के रूप में पहचानने लगे थे। लेकिन इस शो से वह अपनी असली पहचान को दर्शकों के सामने नहीं रख पाई, इसलिए जब मुझे नए शो का ऑफर मिला, तो मैंने इसके लिए हां कर दी।

ऐश्वर्या ने कहा, मैंने इस शो के लिए हां क्यों कहा, उसकी पहली वजह ये थी कि मैंने बहुत लंबे समय तक 'लक्ष्मी' का किरदार निभाया है। मैं उस किरदार में पूरी तरह डूब गई थी। लोग मुझे आज भी 'लक्ष्मी' के रूप में जानते हैं। इसलिए ये नया शो मेरे लिए एक मौका बना जिससे लोग मुझे 'ऐश्वर्या' के रूप में भी जान सकें। ऐश्वर्या ने कहा, दूसरी वजह ये थी कि 'भाग्य लक्ष्मी' के बाद मैं कुछ नया और अलग करना चाहती थी। 'छोरियां चली गांव' मुझे कुछ नया आजमाने का एक बेहतरीन मौका लगा। मुझे इसका कॉन्सेप्ट काफी अच्छा और आज के समय से जुड़ा हुआ लगा। यह शो जी टीवी जैसे बड़े चैनल पर आने की वजह है मेरे लिए और खास हो गया। यह बड़ा मौका था।

जब ऐश्वर्या खरे से पूछा गया कि क्या वह कभी गांव गई हैं, इस पर उन्होंने कहा, हां, मैं बस एक बार गई हूं, वो भी बचपन में, शायद जब मैं चौथी या पांचवीं क्लास में थी। मुझे ज्यादा कुछ याद नहीं, लेकिन कुछ बातें आज भी याद हैं। वहां बिजली नहीं थी, पानी बहुत ठंडा था, और मेरी दादी चूल्हे पर खाना बनाती थीं। मुझे एक और चीज अच्छी तरह याद है, जब मैंने घर का गेट खोला तो एक बहुत बड़ा सरसों का खेत कोहरे से ढका हुआ था, ऐसा लग रहा था जैसे बादल जमीन पर उतर आए हों। वो नजारा बहुत सुंदर था। ये छोटी-छोटी यादें हैं, लेकिन मुझे गांव में रहने का कोई अनुभव नहीं है।

ऐश्वर्या ने कहा कि जब हम मुश्किल चीज़ों को पार करते हैं, तो एक अलग तरह की खुशी और गर्व महसूस होता है। उन्होंने कहा, मैं इस शो में इसलिए हिस्सा ले रही हूं ताकि मैं खुद को दिमाग, दिल और शरीर से मजबूत बना सकूं। नया रियालिटी शो 'छोरियां चली गांव' जी टीवी पर जल्द ही आने वाला है। इसमें 11 शहरी लड़कियां गांव की जिंदगी जीकर अलग तरह का अनुभव करेंगी। इस शो को 'रोडीज' फेम रणविजय सिंघा होस्ट करेंगे।

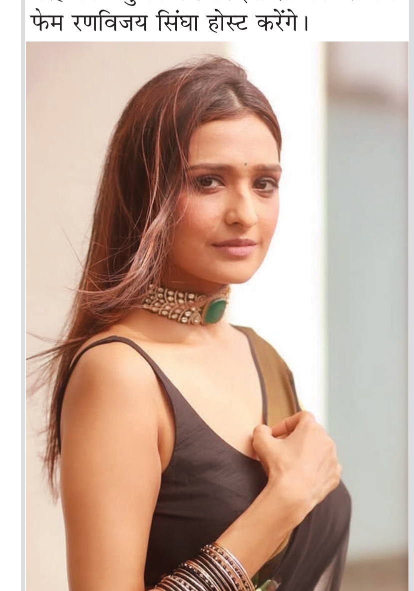

सेलिब्रिटी कपल 'सिद्धार्थ मल्होत्रा-कियारा आडवाणी' के घर आई नन्ही परी

बी-टाउन के सबसे प्यारे जोड़ों में से एक, सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने मंगलवार, 15 जुलाई को एक नन्ही परी का स्वागत किया। बुधवार सुबह, नए माता-पिता ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी नन्ही परी के आगमन की आधिकारिक घोषणा की। सिद्धार्थ और कियारा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें लिखा था, हमारा दिल भर आया है और हमारी दुनिया हमेशा के लिए बदल गई है। हमें एक नन्ही परी का आशीर्वाद मिला है! यह पोस्ट शेयर करने के कुछ ही मिनटों में वायरल हो गई और इस जोड़े को बधाईयों का तांता लग गया।

नेहा धूपिया ने पोस्ट के नीचे कमेंट किया, सबसे अच्छे घर में आपका स्वागत है। पेरेंटहुड की एन सिड। वहीं, कियारा के करीबी दोस्त मनीष मल्होत्रा ने कमेंट सेक्शन में ढेरों दिलों के निशान छोड़े। नेटिजन्स ने यह भी बताया कि मम्मी कियारा और उनकी नन्ही परी का जन्मदिन एक ही महीने में होता है। कई सालों तक डेट करने के बाद, कियारा और सिद्धार्थ ने फरवरी 2023 में एक शानदार समारोह में शादी के बंधन में बंध गए और उनकी शादी का वीडियो सोशल मीडिया पर सबसे ज़्यादा पसंद किए जाने वाले पोस्ट में से एक बन गया। फरवरी 2025 में, उन्होंने दो छोटे बुने हुए मोजों की तस्वीर शेयर करके सबको चौंका दिया और घोषणा की कि वे अपने पहले बच्चे का स्वागत करने के लिए तैयार हैं।

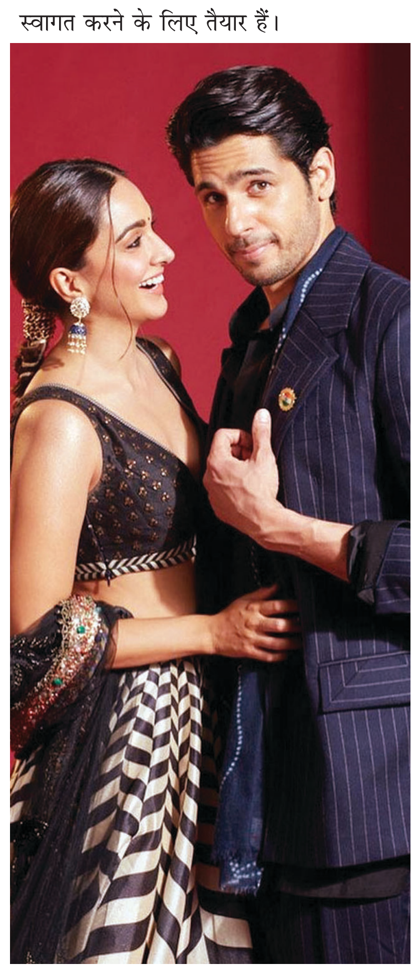

एक्ट्रेस पलक तिवारी ने इंस्टाग्राम पर शेयर की हॉट तस्वीरें, ब्लैक मिनी ड्रेस में ढाया कहर

पलक तिवारी ने एक बार फिर अपने लेटेस्ट फोटोशूट से सोशल मीडिया का पारा बढ़ा दिया है। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह स्ट्रैपलेस ब्लैक मिनी ड्रेस में बेहद स्टाइलिश और ग्लैमरस अवतार में नजर आ रही हैं। पलक की इस ड्रेस पर लगा बड़ा फ्लोरल डिटेल उनके लुक को और भी खास बना रहा है। इस तस्वीर में पलक खुले बालों और मिनिमल मेकअप में पोज देती दिख रही हैं। उन्होंने अपने लुक को मैचिंग स्ट्रैपी हील्स के साथ पूरा किया है, जो उनके ओवरऑल स्टाइल को परफेक्ट टच देता है। इस पोस्ट पर कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं। फैंस ने उन्हें सो प्रिटी, हॉट और स्टनिंग जैसे कॉम्प्लिमेंट्स दिए हैं।

पलक तिवारी का ये बोल्ड और कॉन्फिडेंट लुक एक बार फिर साबित करता है कि वह सिर्फ एक उभरती हुई एक्ट्रेस ही नहीं बल्कि फैशन आइकन भी हैं। उनकी हर तस्वीर पर फैंस का प्यार और तारीफें लगातार बरस रही हैं। पलक तिवारी ने इस पोस्ट से ये दिखा दिया कि उनका स्टाइल सेंस कमाल का है और वह हर बार अपने फैशन से फैंस को इंप्रेस करना बखूबी जानती हैं। अब फैंस को उनके अगले फोटोशूट और प्रोजेक्ट्स का बेसब्री से इंतजार है।

जुड़वाँ बहनें सुरभि और समृद्धि का कहना है कि 'छोरियाँ चली गाँव' में अलग-अलग प्रतिस्पर्धा करना एक नई चुनौती होगी

सुरभि और समृद्धि जुड़वाँ बहनें सुरभि और समृद्धि मेहरा ने बताया कि 'छोरियाँ चली गाँव' में पहली बार अलग-अलग प्रतिस्पर्धा करना एक नई और रोमांचक चुनौती होगी।दोनों बहनों ने कहा कि यह नई चुनौती उन्हें अप्रत्याशित तरीकों से परखेगी और सिखाएगी। शो के बारे में बात करते हुए, सुरभि ने कहा, मैंने हमेशा से ही भागदौड़ भरी ज़िंदगी जी है—व्यस्त कार्यक्रमों और शहर की भागदौड़ भरी ज़िंदगी से घिरी हुई। मेरी दुनिया अलग-अलग शिफ्ट रूटीन, शूटिंग और हमेशा जुड़े रहने की ज़रूरत के इर्द-गिर्द घूमती रही है। इसलिए, जब 'छोरियाँ चली गाँव' मेरे सामने आया, तो मैं इसे पीछे छोड़ने को लेकर उत्साहित और घबराई हुई दोनों थी। बिना सामान्य गैजेट्स, वाई-फाई या शहर की ऊर्जा के गाँव में रहना एक बड़ा बदलाव होगा, लेकिन यही बात मुझे आकर्षित करती है।

अलग-अलग प्रतिस्पर्धा के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, मेरी जुड़वाँ बहन के साथ ऐसा करना इसे और भी खास बनाता है—हमने हमेशा एक-दूसरे का साथ दिया है, लेकिन यह अनुभव हमें नए तरीकों से परखेगा और सिखाएगा। मैं इस शो को एक विराम की तरह देखती हूँ—चिंतन करने, फिर से जुड़ने और कुछ पूरी तरह से वास्तविक अनुभव करने का एक अवसर। समृद्धि ने कहा, हम अक्सर अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने की बात करते हैं—लेकिन छोरियाँ चली गाँव मेरे लिए उस सच्चाई को जीने का एक मौका है। मैं एक ऐसी दुनिया में पली-बढ़ी हूँ जो तेज-तर्रार, स्क्रीन-आधारित और मान्यता के इर्द-गिर्द बनी है। यह शो एक नई सेटिंग से कहीं बढ़कर है—यह पूरी तरह से मानसिकता में बदलाव है। यह आपको धीमा होने, अपने भीतर झाँकने और वास्तव में ढलने के लिए मजबूर करता है।

मुझे पता है कि यह सफर आसान नहीं होगा—लेकिन मैं यहाँ आसानी के लिए नहीं, बल्कि सच में हूँ। मेरी जुड़वाँ बहन का साथ होने का मतलब है कि हम साथ मिलकर अपने नए पहलुओं को खोजेंगे। मैं उन अनपेक्षित पलों, सरल दिनचर्या और इस सफर से मिलने वाली हर चीज़ के लिए उत्साहित हूँ। मैं इस अनुभव का बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ। जी टीवी का आगामी अनोखा रियलिटी शो छोरियाँ चली गाँव, शहरी और ग्रामीण भारत के बीच की खाई को पाटने के लिए 11 स्वतंत्र महिलाओं के सफ़र पर आधारित है, जो शहरी जीवन की सुख-सुविधाओं से दूर चली जाती हैं। 60 दिनों से ज़्यादा के इस कार्यक्रम में, वे एक पारंपरिक भारतीय गाँव में ग्रामीण जीवन की चुनौतियों और सादगी में डूब जाएँगी।इस आगामी ग्रामीण परिवेश वाले रियलिटी शो की मेजबानी रणविजय सिंह करेंगे।

ब्लो ड्रायर करते समय न करें ये गलतियां, बाल हो सकते हैं खराब

बालों को जल्दी सुखाने और स्टाइलिश बनाने के लिए ब्लो ड्रायर का इस्तेमाल करना एक बेहतरीन तरीका है। हालांकि, कई लोग इस प्रक्रिया में कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जिनसे उनके बाल कमजोर और खराब हो सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जिनसे आपको बचना चाहिए ताकि आपके बाल स्वस्थ और चमकदार रहें। इन गलतियों को जानकर आप अपने बालों की देखभाल बेहतर तरीके से कर पाएंगे।

गीले बालों को सीधे ब्लो ड्रायर करना

गीले बालों को सीधे ब्लो ड्रायर करना एक बड़ी गलती हो सकती है। इससे आपके बाल कमजोर हो सकते हैं और टूटने की संभावना बढ़ जाती है। हमेशा सबसे पहले बालों को तौलिये से हल्का-सा सुखाएं, फिर उन्हें कंघी से सुलझाएं। इसके बाद ही ब्लो ड्रायर का इस्तेमाल करें। इससे आपके बाल स्वस्थ रहेंगे और उनकी चमक भी बनी रहेगी।

हीट प्रोटेक्टेंट का इस्तेमाल न करना

ब्लो ड्रायर की गर्म हवा से बालों को बचाने के लिए हीट प्रोटेक्टेंट का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। अगर आप इसे नहीं लगाते हैं तो ब्लो ड्रायर की गर्म हवा आपके बालों पर बुरा असर डाल सकती है। इससे आपके बाल रूखे और बेजान हो सकते हैं। यह उत्पाद आपके बालों को गर्म हवा से बचाता है और उन्हें नमी प्रदान करता है। इसलिए ब्लो ड्रायर करने से पहले इसे जरूर लगाएं।

गलत ब्रश का चयन करना

ब्लो ड्रायर करते समय सही ब्रश का चयन करना बहुत जरूरी है। अगर आप गलत ब्रश का इस्तेमाल करते हैं तो इससे आपके बाल उलझ सकते हैं या फिर उनका आकार बिगड़ सकता है। गोल ब्रश सबसे अच्छा विकल्प होता है क्योंकि यह आपके बालों को सही आकार देता है और उन्हें सुलझाने में मदद करता है। इसके अलावा आप अपनी जरूरत के हिसाब से अलग-अलग आकार और प्रकार के ब्रश का चयन कर सकते हैं।

ब्लो ड्रायर को बहुत करीब रखना

ब्लो ड्रायर को बालों के बहुत करीब रखने से भी नुकसान हो सकता है। इससे आपके बाल झुलस सकते हैं या फिर उनकी चमक कम हो सकती है। हमेशा ब्लो ड्रायर को थोड़ा दूर रखकर इस्तेमाल करें ताकि गर्म हवा सीधे आपके बालों पर न पड़े। इससे आपके बाल सुरक्षित रहेंगे और उनकी चमक भी बनी रहेगी। इस तरह आप अपने बालों को सुरक्षित रखते हुए उन्हें आसानी से सुखा सकते हैं।

हवा की दिशा पर ध्यान न देना

ब्लो ड्रायर करते समय हवा की दिशा पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। अगर आप इस पर ध्यान नहीं देते हैं तो इससे आपके बाल उलझ सकते हैं या फिर उनका आकार बिगड़ सकता है। हमेशा नीचे की ओर हवा की दिशा रखें ताकि बाल सही तरीके से सूखें और उनका आकार भी बना रहे। इसके अलावा इस तरह आपके बालों को नमी भी मिलती है, जिससे वे स्वस्थ और चमकदार दिखते हैं।

युक्तियुक्तकरण से स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था सशक्त शिक्षकों का कोई भी पद नहीं किया गया है समाप्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शिक्षा की गुणवत्ता और सुगमता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता, संवेदनशीलता और नीति-आधारित दृष्टिकोण के साथ संपन्न की गई है। इस प्रक्रिया में शिक्षकों के किसी भी पद को समाप्त नहीं किया गया है, बल्कि शिक्षा के अधिकार अधिनियम, 2009 तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ और संगठित किया गया है। राज्य में युक्तियुक्तकरण से पहले की स्थिति अत्यंत असंतुलित थी।

प्रदेश में शून्य दर्ज संख्या वाली 211 शालाएं संचालित थीं, जिनमें कुछ में शिक्षक पदस्थ भी थे। इसके अतिरिक्त, 453 प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाईस्कूल तथा हायर सेकेण्डरी शालाएं शिक्षक विहीन थीं। साथ ही, 5936 शालाएं एकल शिक्षकीय थीं, जिनमें सभी स्तर की शालाएं सम्मिलित थीं। यह स्थिति नि:संदेह शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रही थी।

वहीं दूसरी ओर, कुछ प्राथमिक शालाओं में अनुचित शिक्षक-संख्या की अधिकता देखी गई — 8 प्राथमिक शालाओं में 15 से अधिक शिक्षक, 61 में 10 से 14 शिक्षक, तथा 749 प्राथमिक शालाओं में 6 से 9 शिक्षक कार्यरत थे। पूर्व माध्यमिक स्तर पर भी यही असंतुलन था — 9 शालाओं में 15 या उससे अधिक, 90 में 10 से 14, तथा 1641 पूर्व माध्यमिक शालाओं में 6 से 9 शिक्षक कार्यरत पाए गए।

प्रदेश में कई स्थानों पर एक ही परिसर में प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी शालाएं अलग-अलग प्रशासनिक नियंत्रण में संचालित थीं, जिससे प्रबंधन में भी जटिलताएँ उत्पन्न हो रही थीं। इसके साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में 10 से कम दर्ज संख्या वाली शालाएं, 01 किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित दूसरी शालाओं के समानांतर संचालित थीं। शहरी क्षेत्रों में यह स्थिति और भी अधिक घनत्व वाली थी — 500 मीटर से कम दूरी पर 30 से कम दर्ज संख्या वाली शालाएं संचालित थीं। इस असमानता को समाप्त करने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के उद्देश्यों को धरातल पर लागू करने के लिए युक्तियुक्तकरण आवश्यक था।

इस प्रक्रिया के पहले चरण में, शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों और निर्देशों के आधार पर विकासखंड स्तर पर युक्तियुक्तकरण योग्य विद्यालयों का चयन किया गया, जिसे जिला स्तरीय समिति द्वारा परीक्षण एवं अनुशंसा उपरांत शासन को भेजा गया। इसके आधार पर कुल 10538 विद्यालयों का युक्तियुक्तकरण किया गया, जिसमें 10372 एक ही परिसर में संचालित विद्यालय, 133 ग्रामीण क्षेत्र की 01 कि.मी. से कम दूरी की शालाएं, तथा 33 शहरी क्षेत्र की 500 मीटर से कम दूरी वाली शालाएं सम्मिलित हैं। द्वितीय चरण — शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण

शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण हेतु अतिशेष शिक्षकों का चिन्हांकन एवं गणना प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 के प्रावधानानुसार निर्धारित प्रक्रिया के तहत की गई।इन शिक्षकों को काउंसिलिंग प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षक विहीन, एकल शिक्षकीय तथा विषयवार आवश्यकता वाली शालाओं में समायोजित किया गया।

युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के परिणामस्वरूप कुल 15165 शिक्षकों एवं प्राचार्यों का समायोजन किया गया जिससे पूर्व में 453 शिक्षक विहीन शालाएं अब पूर्णत: शिक्षक युक्त हो गई हैं।5936 एकल शिक्षकीय शालाओं में से अब केवल 1207 प्राथमिक शालाएं शिक्षक अनुपलब्धता के कारण शेष हैं। इस प्रक्रिया में कोई भी पद समाप्त नहीं किया गया है, बल्कि प्रत्येक विद्यालय के लिए आवश्यक शिक्षक संख्या का निर्धारण शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अनुसार दर्ज संख्या के अनुपात में किया गया है। भविष्य में यदि किसी विद्यालय की दर्ज संख्या में वृद्धि होती है, तो वहां शिक्षकों की व्यवस्था स्वीकृत पदों के अनुसार की जाएगी।

छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर लोक गायिका मैथिली ठाकुर के सुमधुर भजनों से हुआ राममय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर सुप्रसिद्ध लोक गायिका सुश्री मैथिली ठाकुर के सुमधुर भजनों से राममय हो गया।छत्तीसगढ़ विधानसभा के रजत जयंती वर्ष 2025 के अंतर्गत आयोजित उत्कृष्टता अलंकरण समारोह के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक संध्या के कार्यक्रम में सुश्री मैथिली ठाकुर ने प्रभु श्रीराम के भक्ति भाव से ओतप्रोत एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

अपने गायन के दौरान उन्होंने श्रीराम को देखकर जगत जननी नंदनी..., मेरे झोपड़ी के भाग खुल जाएंगे..., मेरे राम की कृपा से सब काम हो रहा है... जैसे भजनों को मधुर और मनमोहक स्वर में प्रस्तुत किया, जिसे सुनकर उपस्थित जनसमूह भक्ति में लीन हो गया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्य मंच से लोक गायिका मैथिली ठाकुर को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत सहित सांसदों एवं विधायकगणों ने भव्य सांस्कृतिक संध्या का आनंद लिया।

कोण्डागांव की बालिका ने ताईवान में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतकर रचा इतिहास

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोण्डागांव जिले की बालिका रंजीता कोरेटी ने ताइपे (ताईवान) में आयोजित एशियन कैडेट जूडो चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद बालगृह बालिका कोण्डागांव की रंजीता ने कई देशों के खिलाड़ियों को पराजित करते हुए यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस गौरवशाली उपलब्धि पर रंजीता को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह न केवल कोण्डागांव जिले बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ राज्य के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि रंजीता जैसी बेटियाँ राज्य की उम्मीद और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं, जो यह सिद्ध कर रही हैं कि छत्तीसगढ़ की बेटियाँ अब वैश्विक मंच पर अपनी अलग पहचान बना रही हैं। रंजीता की इस उपलब्धि के पीछे जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं बालगृह संस्था की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सतत मार्गदर्शन और सहयोग से रंजीता मानसिक और शारीरिक रूप से निरंतर सशक्त होती गई। खेलों में विशेष रुचि और विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए उसे आईटीबीपी के सहयोग से जूडो का प्रशिक्षण दिलवाया गया। रंजीता ने वर्ष 2021 में चंडीगढ़ में आयोजित ओपन नेशनल जूडो टूर्नामेंट में 40 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी खेल यात्रा की प्रभावशाली शुरुआत की।

इसके पश्चात् वर्ष 2022 में भोपाल में आयोजित ओपन नेशनल जूडो प्रतियोगिता में रंजीता ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। वर्ष 2024 में केरल में आयोजित खेलो इंडिया नेशनल जूडो टूर्नामेंट में 52 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। इसी वर्ष महाराष्ट्र के नासिक में आयोजित खेलो इंडिया रीजनल जूडो प्रतियोगिता में उसने गोल्ड मेडल हासिल किया। इसके साथ ही त्रिशूर (केरल) में 52 किलोग्राम वर्ग में पुन: स्वर्ण पदक प्राप्त कर अपनी श्रेष्ठता को दोहराया। पुणे में आयोजित राष्ट्रीय ओपन नेशनल जूडो चैंपियनशिप में रंजीता ने असम, तेलंगाना, महाराष्ट्र और दिल्ली जैसे प्रमुख राज्यों की खिलाड़ियों को पराजित करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। खेलो इंडिया यूथ गेम्स, पटना (बिहार) में भी उसने जूडो चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त कर जिले और राज्य को गौरवान्वित किया।

राष्ट्रीय स्तर पर निरंतर उपलब्धियों के पश्चात रंजीता ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। अप्रैल 2025 में जॉर्जिया में आयोजित कैडेट यूरोपियन कप 2025 में रंजीता ने 52 किलोग्राम वर्ग में 5वाँ स्थान प्राप्त किया। इसके बाद ताशकंद (उज़्बेकिस्तान) में वर्ष 2025 में आयोजित एशियन कैडेट चैंपियनशिप में भी उसने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखा। अंतत: 12 जुलाई से 15 जुलाई 2025 तक ताइपे (ताईवान) में आयोजित एशियन कैडेट जूडो चैंपियनशिप में रंजीता ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल हासिल किया।

रंजीता की इस प्रेरणादायक यात्रा को देखते हुए जनवरी 2023 में उसका चयन भोपाल स्थित स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (स्झ्ह्) में हुआ, जहाँ वह वर्तमान में शिक्षा के साथ-साथ जूडो का उच्चस्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है।

प्रोजेक्ट दक्ष- हम होंगे स्मार्ट

डिजिटल प्रशिक्षण से दक्ष हो रहे अधिकारी स्मार्ट प्रशासन गढ़ने की नई पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले के शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को डिजिटल दुनिया में सशक्त बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने एक नई पहल करते हुए प्रोजेक्ट दक्ष : हम होंगे स्मार्ट की शुरुआत की है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में शुरू किए गए इस महत्वाकांक्षी अभियान के तहत जिले के सभी शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को तकनीकी रूप से दक्ष और स्मार्ट बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। प्रोजेक्ट DAKSH का अर्थ विस्तार है — : डिजिटल साक्षरता, : आत्मनिर्भरता, : क्षमता विकास, : स्मार्ट प्रशासन, : हैप्पी एम्प्लॉयी-हैप्पी सिटिजन। यानी इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य न केवल कर्मचारियों को तकनीकी रूप से कुशल बनाना है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और स्मार्ट भी बनाना है, ताकि प्रशासनिक सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनता केंद्रित बनाया जा सके।

16 जुलाई से आरम्भ हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों को कंप्यूटर और मोबाइल की मूलभूत समझ, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, डिजिटल दस्तावेज़ प्रबंधन सहित MS Word, E&cel, Email, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के उपयोग और तकनीकी समस्याओं को स्वयं हल करने जैसे विषयों पर ऑन-हैंड प्रैक्टिकल सत्र के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मास्टर ट्रेनर्स की मदद से यह चरणबद्ध प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है, जिसके अंत में मूल्यांकन और प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा।

कलेक्टर ने गंगरेल में निर्माणाधीन साइंस पार्क का किया निरीक्षण, कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने आज गंगरेल बांध परिसर में निर्माणाधीन साइंस पार्क का औचक निरीक्षण किया और साइंस पार्क के इंडोर और आउटडोर में लगाए जा रहे उपकरणों के कार्य कों शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने पार्क की बाहरी दीवारों को विज्ञान विषयक चित्रों से सजाने के निर्देश दिए, ताकि यह स्थल शैक्षणिक और दर्शनीय दोनों दृष्टिकोण से आकर्षक बन सके। कलेक्टर ने गंगरेल रेस्ट हाउस के सामने अव्यवस्थित रूप से लगी दुकानों को सुव्यवस्थित करने के लिए चौपाटी निर्माण की योजना बनाने को कहा। साथ ही गंगरेल रोड किनारे जिले के अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी देने वाले फ्लैक्स लगाने और परिसर में सूचना बोर्ड स्थापित करने के निर्देश भी दिए। पर्यटकों की सुविधा के लिए उन्होंने गंगरेल परिसर में एक टूरिस्ट ऑफिसर की नियुक्ति करने की बात कही, जिससे आगंतुकों को जिले के अन्य दर्शनीय स्थलों की जानकारी सहज रूप से प्राप्त हो सके। बरदीहा रिसॉर्ट तक के पहुंच मार्ग की मरम्मत, रेस्ट हाउस से अंगारमोती माता मंदिर तक लाइटिंग व्यवस्था और पार्किंग स्थल के समतलीकरण के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मरादेव गांव पहुंचकर वहां के आदिवासी समाज भवन का भी अवलोकन किया। उन्होंने भवन को गांव के युवाओं के अभ्यास व सामाजिक गतिविधियों के लिए उपयोग में लाने तथा भवन के सामने स्थित खाली मैदान का समतलीकरण व फेंसिंग कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

उद्योग मंत्री के प्रयासों से मिली शहर के विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति

बनेंगे 4 बड़े नाले, शहर को मिलेगी जल भराव समस्या से निजात, सीएसईबी चौक से कोसाबाडी चौक तक मार्ग बनेगा गौरव पथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर विधायक, वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन की प्रयासों से कोरबा शहर के विभिन्न विकास कार्यों के लिए 47 करोड़ 46 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है।

उक्त कार्यों में शहर के विभिन्न वार्डों में आरसीसी नाली, आर सीसी नाला, कलवर्ट के साथ-साथ शहर में गौरव पथ का निर्माण शामिल है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के विभिन्न विकास कार्यों के प्रस्तावों पर मंगलवार को स्वीकृति आदेश जारी किया है। सीएसईबी चौक से कोसाबाड़ी चौक तक गौरव पथ का होगा निर्माण, 37.46 करोड़ आएगी लागत उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने सीएसईबी चौक से वीआईपी मार्ग होते हुए तानसेन चौक होते हुए कोसाबाडी चौक तक गौरव पथ निर्माण के लिए स्वीकृति हेतु प्रस्ताव दिया गया था। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने नगरोत्थान योजना के तहत उक्त गौरव मार्ग के निर्माण हेतु 37 करोड़ 46 लाख रुपए की स्वीकृति दी है।

पोड़ीबहार चर्च से हनुमान मंदिर तक आरसीसी नाली निर्माण कार्य लागत 2 करोड़, एसपी ऑफिस से रजगामार बीटी रोड निर्माण कार्य 2 करोड़, दादर रोड कलवर्ट से मानिकपुर मुक्तिधाम तक कलवर्ट एवं नाला निर्माण कार्य 2 करोड़, मेनन शॉप से रेलवे घाट तक 100 बेड अस्पताल के सामने आर सीसी नाला निर्माण कार्य लागत 2 करोड़, दर्री जोन पीएमवाय साइट से लाटा तालाब आर सीसी नाला निर्माण कार्य 2 करोड़ की स्वीकृति मिली है।

इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व उपमुख्यमंत्री अरुण साव का आभार जताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव के नेतृत्व और मार्गदर्शन में पूरे प्रदेश में विकास आज नए आयाम छू रहा है। कोरबा शहर में भी बीते डेढ़ वर्षों में 500 करोड़ से ज्यादा की स्वीकृति मिल चुकी है। जिन कार्यों की स्वीकृति आज मिली है, निश्चित तौर पर कोरबा शहर के अधोसंरचना के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में बचपन खिल उठा-प्ले स्कूल की तर्ज पर संवर रहा भविष्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुस्कुराइए कि आप आंगनबाड़ी केंद्र में हैं... - यह नारा अब वास्तविकता का रूप ले चुका है। राजनांदगांव जिले के सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों ने नन्हे बच्चों की शिक्षा और विकास को नया आयाम दिया है। यहां का वातावरण अब पारंपरिक आंगनबाड़ी केंद्र से आगे बढ़कर प्ले स्कूल और प्री-नर्सरी जैसा बन गया है, जहां बच्चे खेल-खेल में सीख रहे हैं और मुस्कुरा रहे हैं।

सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 1 भोथीपार खुर्द, क्रमांक 3 सिंघोला और क्रमांक 3 भोथीपार खुर्द में बच्चों को बाल सुलभ तरीके से अक्षर ज्ञान, कविता, गीत और विविध जानकारी दी जा रही है। दीवारों पर आकर्षक चित्रकारी, शैक्षणिक सामग्री और बाल केंद्रित गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में पढ़ाई के प्रति उत्साह देखा जा रहा है।'आलू कचालू बेटा कहां गए थे...' जैसी कविताएं बच्चे बड़े आनंद से याद कर रहे हैं।

राज्य सरकार की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के चलते ग्रामीण क्षेत्रों के ये आंगनबाड़ी केंद्र जागरूकता, पोषण और शिक्षा के संगम स्थल बन गए हैं। लड़का-लड़की एक समान, अच्छी वजन की रेखा - अच्छा बच्चा देखा जैसे संदेशों से सामाजिक सोच में बदलाव आ रहा है। गर्भवती महिलाओं को गरम पौष्टिक भोजन, किशोरी बालिकाओं को स्वास्थ्य शिक्षा और बच्चों को नियमित पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराया जा रहा है।

महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बताया कि राज्य में आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाकर प्ले स्कूल की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है, ताकि बच्चों को प्रारंभिक अवस्था से ही समग्र विकास का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार बच्चों, माताओं और किशोरियों की देखभाल को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती गुरूप्रीत कौर ने बताया कि जिले में मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, महतारी वंदन योजना, नोनी सुरक्षा योजना और सुकन्या समृद्धि योजना का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 3 भोथीपार खुर्द में 'मोर जन्म दिन' नामक विशेष कैलेंडर के माध्यम से बच्चों का जन्मदिन उत्सवपूर्वक मनाया जा रहा है। यहां बच्चों के लिए खेल सामग्री, पढ़ाई की सामग्रियां और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध है।

इस प्रयास में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गोदावरी साहू, पूनम यादव और सहायिका की सक्रिय भूमिका उल्लेखनीय रही। बच्चों की मुस्कान और उनकी सक्रियता इस बात का प्रमाण है कि आंगनबाड़ी केंद्र अब केवल पोषण का ही नहीं, बल्कि शिक्षा, संस्कार और संवेदनशीलता का केंद्र बन गए हैं।

कलेक्टर ने मेगा फुड पार्क का किया निरीक्षण

धमतरी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने आज धमतरी जिले के मेगा फूड़ पार्क बगौद का अवलोकन किया। कलेक्टर मिश्रा ने फुड पार्क के नेटक्योर बायोटेक के उत्पादन, नेटक्योर बायोटेक होम्योपाथी दवा निर्माण की इकाई को भी बारीकि से देखा। होम्योपैथी दवा निर्माण इकाई में काम कर रही युवतियों से बातचीत की, उनका हालचाल जाना और कुशलक्षेम पूछा। उन्होंने उनसे पढ़ाई-लिखाई और कामकाज की भी जानकारी ली।

खास खबर

बिजली गिरने से महिला की मौत

धमतरी। धमतरी जिले में बुधवार को खेत में रोपाई के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। जबकि दो महिलाएं घायल हो गईं। जिनका इलाज जारी है। यह घटना रुद्री थाना क्षेत्र के ग्राम सोरम की है।

जानकारी के मुताबिक, किसान राजेंद्र साहू के खेत में रोपाई का काम चल रहा था। इस दौरान आकाशीय बिजले की चपेट में आने से लताबाई साहू (35) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि साथ में काम रहीं प्रमोतिन निर्मलकर (35) और ममता साहू (34) की घायल हो गई। घायलों को फौरन जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां उनका इलाज जारी है। घटनास्थल पर पहुंची रुद्री थाना पुलिस ने मृतिका के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पीएम के बाद लाश परिजनों को सौंप दी जाएगी।

जहरीले जीव के काटने से मौत

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में जहरीले जीव के काटने से हॉस्टल के छात्र की मौत हो गई। मृतक तीसरी कक्षा में पढ़ता था। आशंका जताई जा रही है कि सांप के काटने से बच्चे की जान गई है। इस घटना के बाद हॉस्टल वार्डन और मंडल संयोजक को हटा दिया गया है। यह घटना बालक छात्रावास ग्राम झारा की है। मंगलवार की शाम 5 बजे के करीब तीसरी में पढ़ने वाले छात्र विजय कुमार सिंह (10) पिता हीरालाल सिंह के पैर में जहरीला जीव ने काट लिया।

काफी देर बाद उसे सनवाल अस्पताल ले जाया गया। लेकिन उसकी रास्ते में ही मौत हो गई। मृतक ग्राम पचवाल का रहने वाला था। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान हॉस्टल वार्डन मौके पर नहीं था। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही परिजन सनवाल अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होंने बच्चे को मृत पाया। मामले में सहायक आयुक्त समीक्षा जायसवाल ने बताया कि घटना के बाद छात्रावास अधीक्षक को पद से हटा दिया गया है। निलंबन के लिए जेडी को पत्र लिखा गया। इसके अलावा मंडल संयोजक को भी पद से हटा दिया गया है।

मंदिर हसौद पेट्रोल पंप में चाकू की नोक पर दिया लूट व हत्या की घटना को अंजाम, आरोपी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। थाना मंदिर हसौद क्षेत्रांतर्गत ग्राम उमरिया स्थित पेट्रोल पंप में 16 और 17 जुलाई 2025 को मोटर सायकल सवार दो अज्ञात व्यक्ति पेट्रोल भरवाने गए थे और पेट्रोल भरवाने के बाद चिल्हर की बात को लेकर दोनों में कुछ विवाद हुआ इस दौरान कर्मचारी अनिल गायकवाड़ के हाथ में रखें रुपये को देखकर दोनों की नीयत डोल गई और लूटने की नियत से अपने पास रखें चाकू से अनिल गायकवाड़ पर वार कर उसके हाथ में रखें नगदी रकम को लूटकर फरार हो गए।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार-गुरूवार की रात मंदिर हसौद क्षेत्रांतर्गत ग्राम उमरिया स्थित पेट्रोल पंप कर्मचारी अनिल गायकवाड़ से 50 रुपये का पेट्रोल भरवाया और 200 रुपये दिया। चिल्हर की बात को लेकर दोनों में कुछ विवाद हुआ इस दौरान कर्मचारी अनिल गायकवाड़ के हाथ में रखें रुपये को देखकर दोनों की नीयत डोल गई और लूटने की नियत से अपने पास रखें चाकू से अनिल गायकवाड़ पर वार कर उसके हाथ में रखें नगदी रकम को लूट लिये, इसी दौरान पेट्रोल पंप के अन्य कर्मचारी योगेश मिरी आवाज सुनकर दोड़कर बाहर आया और उन्हें पकड़ने की कोशिश के दौरान आरोपी के द्वारा उस पर भी चाकू से हमला कर दिया। गंभीर चोट आने के कारण अस्पताल ले जाने के दौरान योगेश मिरी पिता नरोत्तम मिरी उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम गुजरा थाना मंदिर हसौद रायपुर की मृत्यु हो गई एवं अनिल गायकवाड पिता मायाराम गायकवाड उम्र 22 वर्ष निवासी गुजरा थाना मंदिर हसौद रायपुर का उपचार जारी है।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल व उसके आसपास लगे सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेजो के अवलोकन व मुखबीर सूचना पर दोनों आरोपियों को चिन्हांकित करने में सफलता मिली तथा आरोपियों की पहचान अभनपुर निवासी समीर टंडन एवं कुनाल तिवारी के रूप में करते हुये दोनों आरोपियों की पतासाजी कर घटना के चंद घंटों के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा उक्त घटना को अंजाम देना बताया गया।

दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त चाकू, मोटर सायकल एवं अन्य मशरूका जप्त की जाती है मामले में अग्रिम कार्यवाही जारी है। गिरफ्तार आरोपी 01. समीर टंडन पिता राजकुमार टंडन उम्र 21 वर्ष निवासी दीनदयाल उपाध्याय नगर गातापार अभनपुर थाना अभनपुर जिला रायपुर। 02. कुनाल तिवारी पिता नंदकुमार तिवारी उम्र 24 निवासी बस स्टैंड राधा कृष्ण मंदिर के पास थाना अभनपुर जिला रायपुर शामिल हैं।

जवानों को नुकसान पहुंचाने की थी तैयारी

सुरक्षाबलों ने बरामद किया विस्फोटक व नक्सलियों का डंप सामान

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी तैयारी कर रखी थी। इससे पहले की कुछ होता सर्चिंग के दौरान सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में नक्सलियों द्वारा डंप किए सामान को बरामद किया है। डीआरजी व सीआरपीएफकी संयुक्त पार्टी ने कार्रवाई करते हुए विस्फोटक का सामान जब्त किया।

दरअसल डीअरजी व सीआरपीएफके जवान बुधवार को भेज्जी इलाके के मोसलमड़गू गांव की तरफसर्च ऑपरेशन पर निकले हुए थे। सर्चिंग के दौरान गांव के पास से जंगल-झाड़ियों के नजदीक से जवानों ने नक्सलियों द्वारा डंप किया सामान बरामद किया। सुरक्षाबलों ने इस दौरान 15 किलो अमोनियम नाइट्रेट पाउडर, डेटोनेटर (इलेक्ट्रिक) 30 नग, जिलेटिन 26 नग, क्लेमोर माइन पाइप 3 नग, बिजली वायर-100 मीटर, चूना डिब्बा 08 नग और एक बड़ा प्लास्टिक कंटेनर बरामद किया गया।

कोंडागांव जिले में दो चचेरे भाईयों ने बहन के साथ किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में चचेरों भाइयों ने बहन से साथ दुष्कर्म किया है। बीच-बचाव में आई पीड़िता की मां पर भी उन्होंने जानलेवा कर घायल कर दिया। इस पूरे मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला धनोरा थाना क्षेत्र का है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 15 जुलाई की सुबह पीड़िता अपनी मां और बहन के साथ घर के बाहर काम कर रही थी। इसी दौरान उसका चाचा चिंताराम दुग्गा (44) और उसके दो चचेरे भाई मुकेश (19) और सुरेश दुग्गा (22) मौके पहुंचे और जमीन को लेकर विवाद करने लगे। इसके बाद मुकेश पीड़िता को जबरन अपने घर ले गया। जहां उसने रेप की वारदात को अंजाम दिया।

जबकि सुरेश और नाबालिग भाई ने पीड़िता का गला दबाकर पकड़े रखा। पीड़िता की मां जब बेटी को बचाने पहुंची तो आरोपियों ने उस पर कुल्हाड़ी और फावड़े से हमला कर दिया। महिला के सिर से खून बहने लगा और वह बेहोश हो गई। पीड़िता किसी तरह वहां से भागकर थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। जबकि सुरेश और नाबालिग भाई ने पीड़िता का गला दबाकर पकड़े रखा। पीड़िता की मां जब बेटी को बचाने पहुंची तो आरोपियों ने उस पर कुल्हाड़ी और फावड़े से हमला कर दिया। महिला के सिर से खून बहने लगा और वह बेहोश हो गई। पीड़िता किसी तरह वहां से भागकर थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई।

कुत्तों के काटने से हिरण घायल, समय पर उपचार नहीं मिलने से हुई मौत

वन विभाग कार्यालय में किया गया अंतिम संस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

लखनपुर। जंगल से भटक कर गांव पहुंचे हिरण पर आवारा कुत्तों ने हमलाकर घायल कर दिया जब तक वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचती तब तक हिरण की मौत हो चुकी थी। वन क्षेत्र अधिकारी ने माना वहां व्यवस्था करने में देरी के कारण वन विभाग के टीम घटनास्थल पर देरी से पहुंची। वन विभाग के अधिकारियों के मौजूदगी में शव का पीएम कराकर अंतिम संस्कार किया गया है।

बुधवार को वन विभाग कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक लखनपुर वन परीक्षेत्र अंतर्गत चांदो सर्कल के सिरकोतगा स्कूल मैदान में बुधवार की सुबह लगभग 6 बजे आवारा कुत्तों ने जंगल से भटक कर पहुंचे हिरण पर हमला कर घायल कर दिया। घायल हिरण को तत्काल उपचार नहीं मिलने से उसकी मौत हो गई। सूचना के बाद देरी से वन विभाग के टीम मौके पर पहुंची और हिरण के शव को कब्जे में लेकर लखनपुर वन विभाग कार्यालय लाया गया जहां पशु चिकित्सा सफदर अली ने अधिकारियों की उपस्थिति में शव का पोस्टमार्टम किया और वन विभाग कार्यालय परिसर में ही विधिवत अंतिम संस्कार किया गया। हिरण की उम्र 6 से 8 वर्ष बताया जा रहा है। दूसरे हिरण की मौजूदगी की सूचना मिलने पर टीम गठित कर हिरण की तलाश की जारही है।

इस संबंध में प्रभारी रेंजर कमलेश राय से फोन पर बात करने पर उनके द्वारा कहा गया कि ग्रामीणों से सूचना मिली कि घायल अवस्था में सिरकोतगा स्कूल मैदान में हिरण पड़ा हुआ है। वाहन व्यवस्था करने में देरी होने से वन विभाग की टीम देर से पहुंची श्वास नली के काटने से हिरण की मौत हो चुकी थी। गांव में दूसरे हिरण की सूचना पर चार लोगों की टीम गठित की गई और हिरण की तलाश शुरू की गई है।

33 लाख ने ईनामी नक्सली दंपति ने किया आत्मसमर्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में सक्रिय दंडकरण स्पेशल जोनल कमेटी और तेलंगाना स्टेट कमेटी के सदस्य नक्सली दंपति लच्छन्ना उर्फ गोपन्ना ईनामी 25 लाख ने अपनी पत्नी अंकुबाई उर्फअनितक्का ईनामी 8 लाख ने तेलंगाना के रामागुंडम में पुलिस कमिश्नर के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। दोनो नक्सली दंपति पिछले लगभग 22-23 वर्षो से अलग-अलग इलाकों में सक्रिय थे।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आत्मसमर्पित नक्सली लच्छन्ना को वर्ष 2023 में डीकेएसजेडसीएम कैडर की जिम्मेदारी मिली थी । इससे पहले वह वर्ष 2007 में उत्तर बस्तर डीव्हीसी टेक्निकल डिपार्टमेंट का इंचार्ज था । इसकी पत्नी नक्सली अनितक्का तेलंगाना के सिरपुर दलम में काम कर चुकी है, वर्ष 2002 में एसीएम के रूप में संगठन में पदोन्नति हुई थी। वर्ष 2007 में अनितक्का को टेक्निकल डिपार्टमेंट में भेजा गया था। वर्तमान में उत्तर बस्तर के डीव्हीसी में टेक्निकल डिपार्टमेंट में डीव्हीसीएम के पद में सक्रिय थी। इन दोनों नक्सलियों के आत्मसमर्पण से सुरक्षाबलों के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है। लंबे समय से वांछित रहे इन वरिष्ठ कैडर के नक्सलियों का समर्पण बस्तर और तेलंगाना में नक्सल नेटवर्क पर बड़ा असर डाल सकता है। दोनो आत्मसमर्पित नक्सली छत्तीसगढ़ के बस्तर में लंबे अरसे तक काम किया है।

जीएसटी इंटेलिजेंस ने आशिकी पान मसाला पर की बड़ी छापेमारी

60 करोड़ की टैक्स चोरी का खुलासा

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ में टैक्स चोरी और फर्जी बिलिंग को लेकर डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (DGGI) ने बड़ी छापेमारी कार्रवाई की है। राजधानी रायपुर समेत दुर्ग, भिलाई और राजनांदगांव जिलों में फैले आशिकी पान मसाला समूह के निर्माण यूनिट और डिस्ट्रीब्यूटर ठिकानों पर यह कार्रवाई की गई। करीब 60 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी और बोगस बिलिंग की शिकायतों के आधार पर दिल्ली से आई 9 सदस्यीय DGGI टीम ने एक के बाद एक जगह दबिश देकर दस्तावेज खंगाले और सबूत जुटाए।

सूत्रों के अनुसार, DGGI की टीम ने राजनांदगांव में आशिकी पान मसाला की निर्माण फैक्ट्री और फ्रेंचाइजी नरेश मोटलानी के प्रतिष्ठानों पर छापा मारा। वहीं, रायपुर स्थित प्रदेश डिस्ट्रीब्यूटर विश्वनाथ काबरा के शहीद स्मारक कॉम्प्लेक्स स्थित ऑफिस और मोवा स्थित कूल होम्स निवास में भी कार्रवाई की गई। इसके अलावा, दुर्ग और भिलाई में पान मसाला ब्रांड से जुड़े अन्य व्यावसायिक ठिकानों पर भी छानबीन की गई।

छापेमारी के दौरान DGGI टीम ने बड़ी मात्रा में अहम दस्तावेज जब्त किए हैं। इनमें शामिल हैं: बोगस बिलिंग के रिकॉर्ड्स इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस (पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, फैक्स मशीन आदि) संवेदनशील व्यापारिक रसीदें और GST रिटर्न

दस्तावेज यह भी जानकारी सामने आई है कि जांच में फर्जी इनवॉयसिंग और बिलिंग का एक पूरा नेटवर्क सामने आ सकता है, जिसमें अन्य राज्यों के कारोबारियों की संलिप्तता भी हो सकती है।

जीएसटी इंटेलिजेंस निदेशालय को कई स्त्रोतों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि आशिकी पान मसाला ब्रांड द्वारा बिना टैक्स अदा किए उत्पादन एवं आपूर्ति की जा रही है, साथ ही फर्जी डिस्ट्रीब्यूशन और बिलिंग नेटवर्क के जरिए सरकार को करोड़ों का नुकसान पहुंचाया जा रहा है। शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली मुख्यालय से जांच टीम रवाना की गई थी।

सूत्रों का मानना है कि छापेमारी के बाद दस्तावेजों के विश्लेषण में और भी कई कंपनियों और व्यापारिक नामों का नाम सामने आने की संभावना है। जांच पूरी होने के बाद इस मामले में गिरफ्तारी की प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है। टीम ने सभी जब्त उपकरणों और कागजों को फॉरेंसिक विश्लेषण के लिए सुरक्षित किया है। राज्य में अब तक की सबसे बड़ी GST कार्रवाई यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ में अब तक की सबसे बड़ी पान मसाला व्यवसाय से जुड़ी GST इंटेलिजेंस रेड मानी जा रही है। इससे न केवल राजस्व चोरी का बड़ा मामला सामने आया है, बल्कि टैक्स प्रशासन की निगरानी तंत्र की सक्रियता को भी दर्शाता है

जमीन विवाद में पड़ोसी रिश्तेदार ने की मासूम की हत्या

कवर्धा। पांडातराई थाना क्षेत्र में सुनसान मकान में खून से लथपथ मिली नाबालिग बच्ची की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। इस हत्याकांड में पुलिस ने बच्ची के पड़ोसी और रिश्तेदार राजीव घृतलहरे को गिरफ्तार किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित जांच शुरू की। जांच में पता चला कि पुराने जमीन विवाद की रंजिश के चलते आरोपी ने सब्बल से ताबड़तोड़ वार कर नाबालिग की हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी ने बच्ची को सुनसान मकान में अकेला पाकर बेरहमी से हमला किया और हत्या के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार::-

(रा.प्र.क्र. 202506101000178/अ-6 वर्ष 2024-25)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक-श्रीमती हेमलता देवांगन पति दुलेन्द्र देवांगन निवासी - शिव मंदिर के पास मुरूम खदान भिलाई द्वारा ग्राम-कुरूद प.ह.नं. 46 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 704/1 कुल रकबा 0.0952 हे. मे.से. 0.013 हे./1500 वर्गफीट भूमि को रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर दिनांक 31.12.2024 के आधार पर विक्रेता बिजेराम पिता पुसऊ साहू निवासी-पुरानी बस्ती कुरूद भिलाई से क्रय किया गया है, कि रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि को पंजीयन के आधार पर नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 11/08/2025 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/06/2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाईनगर

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षों से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

लोकहित और लोक कल्याण को दें प्राथमिकता-राज्यपाल

उत्कृष्ट विधायक के रूप में भावना बोहरा और लखेश्वर बघेल सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर में आयोजित उत्कृष्टता अलंकरण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने समारोह की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में शामिल हुए। उत्कृष्टता अलंकरण समारोह में वर्ष-2024 के लिए भावना वोहरा और लखेश्वर बघेल को उत्कृष्ट विधायक के रूप में सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट संसदीय रिपोर्टिंग के लिए विशेष संवाददाता डॉ. राकेश कुमार पाण्डेय, न्यूज़ चैनल के योगेश मिश्रा और कैमरामेन विश्वप्रकाश पुरेना को समारोह में सम्मानित किया गया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप, सांसद ज्योत्सना महंत, बृजमोहन अग्रवाल और विजय बघेल, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की धर्मपत्नी वीणा सिंह, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की धर्मपत्नी कौशल्या साय, मंत्रीगण और विधायकगण भी उत्कृष्टता अलंकरण समारोह समारोह में शामिल हुए। समारोह में छटवीं विधानसभा के लिए निर्वाचित विधायकों के प्रबोधन कार्यक्रम पर केन्द्रित पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन हम सब के लिए खास है।

'उत्कृष्टता अलंकरण समारोह' गर्व और प्रेरणा का अवसर है। विधानसभा लोकतंत्र का मंदिर है। यहां पर जनहित के मुद्दों को उठाना विधायकों का धर्म है। संसदीय रिपोर्टिंग सजगता और जिम्मेदारी भरा कार्य है। इस कार्य में मीडिया प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इनकी मूल भूमिका को रेखांकित करने के लिए इन्हें सम्मानित करने की परंपरा हमारे विधानसभा में है।

श्री साय ने कहा कि हमारी विधानसभा की कार्यवाही को देशभर में सराहा जाता है। विधायकों की सक्रिय भागीदारी और मीडिया की निरंतर निगरानी ने छत्तीसगढ़ को लोकतंत्र की दृष्टि से एक आदर्श राज्य के रूप में स्थापित किया है। छत्तीसगढ़ विधानसभा देश की पहली और एकमात्र ऐसी विधानसभा है, जहां गर्भगृह में किसी विधायक के प्रवेश करते ही वे स्वमेव निलंबित हो जाते हैं। इस विशिष्टता और आत्म-अनुशासन ने छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय पटल पर एक नई पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ने बीते वर्षों में न सिर्फ़ आर्थिक व सामाजिक क्षेत्र में प्रगति की है, बल्कि यहां की विधानसभा और संसदीय कार्यप्रणाली भी पूरे देश में मिसाल बनकर उभरी है।

संसदीय परंपराओं को और अधिक सशक्त करने का माध्यम

उत्कृष्टता अलंकरण समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि यह समारोह न केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों के सम्मान का अवसर है, बल्कि हमारी संसदीय परंपराओं को और अधिक सशक्त करने का माध्यम भी है। उन्होंने वर्ष-2024 के उत्कृष्ट विधायक के लिए चयनित भावना बोहरा और लखेश्वर बघेल, तथा उत्कृष्ट संसदीय पत्रकारिता के लिए चयनित डॉ. राकेश कुमार पाण्डेय, योगेश मिश्रा एवं विश्वप्रकाश पुरेना को बधाई दी। राज्यपाल रमेन डेका ने समारोह में कहा कि आप सभी ने विधानसभा की गतिविधियों को ईमानदारी, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ जनता तक पहुंचाने का कार्य किया है। आपकी यह भूमिका लोकतंत्र की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। छत्तीसगढ़ विधानसभा की स्वस्थ परंपरा है जहां न केवल विधायकों, बल्कि पत्रकारों को भी सम्मानित किया जाता है। मेरा आप सभी से आग्रह है कि अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से ऊपर उठकर सदैव लोकहित और लोक कल्याण को प्राथमिकता दें।

90 विधायक राज्य की तीन करोड़ जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं

समारोह को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ के 90 विधायक राज्य की तीन करोड़ जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे सभी श्रेष्ठ हैं। हर वर्ष दो उत्कृष्ट विधायकों का चयन कठिन काम है। इस बार 50 नए विधायक चुनकर आए हैं। छत्तीसगढ की विधानसभा जीवंत विधानसभा है। इसने अपना 'छत्तीसगढ़िया स्वभाव' नहीं छोड़ा है। सदभाव और सहयोग से जनहित के मुद्दों पर सक्रियता और गंभीरता से चर्चा करते हैं।

जनभागीदारी से हो रहे जल संरक्षण के प्रयास प्रशंसनीय : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधानसभा परिसर स्थित अपने कक्ष में 'मोर गांव मोर पानी' महाअभियान पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रारंभ किए गए इस विशेष अभियान ने जल संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में अभूतपूर्व चेतना उत्पन्न की है। विमोचन कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, प्रमुख सचिव पंचायत श्रीमती निहारिका बारीक, आयुक्त मनरेगा और संचालक प्रधानमंत्री आवास योजना तारण प्रकाश सिन्हा सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ग्राम पंचायतों की सक्रियता और जनता की स्वप्रेरित भागीदारी के चलते यह अभियान अब एक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। लोग स्वेच्छा से जल संरक्षण जैसे पुनीत कार्यों से जुड़ रहे हैं, जो सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने कहा कि पुस्तिका में राज्य की विभिन्न पंचायतों द्वारा जल संरक्षण के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों और नवाचारों को संकलित किया गया है, जो अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेंगे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अभियान के अंतर्गत सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियों के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रदेश की 11,000 से अधिक ग्राम पंचायत भवनों की दीवारों पर भूजल स्तर अंकित किया गया है, जिससे लोगों में जल के महत्व को लेकर व्यावहारिक चेतना जागृत हुई है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों की भूमिका जल संरक्षण को जन-भागीदारी से जोड़ने में महत्वपूर्ण रही है, और यह चेतना आने वाले समय में और भी व्यापक स्वरूप लेगी।

उल्लेखनीय है कि 'मोर गांव मोर पानी' अभियान के तहत रैली, दीवार लेखन जैसे माध्यमों से व्यापक स्तर पर जनसामान्य को जल संरक्षण के प्रति संवेदनशील और जागरूक किया गया है। 626 क्लस्टर्स में आयोजित प्रशिक्षणों के माध्यम से 56,000 से अधिक प्रतिभागियों को जल प्रबंधन और संरक्षण के लिए तैयार किया गया है।

अभियान में त्रुटिरहित तकनीक का उपयोग कर जल संरक्षण कार्यों की प्रभावी योजना बनाई जा रही है, जबकि जलदूत ऐप के माध्यम से खुले कुओं का जल स्तर मापा जा रहा है। इसके अतिरिक्त, परकोलेशन टैंक, अर्दन डैम, डिफंक्ट बोरवेल रिचार्ज स्ट्रक्चर जैसे संरचनात्मक उपायों के माध्यम से जल पुनर्भरण और संरक्षण के स्थायी प्रयास किए जा रहे हैं। ग्राम पंचायतों के यह प्रयास छत्तीसगढ़ को जल संरक्षण के राष्ट्रीय मॉडल के रूप में स्थापित करेंगे।

मनेंद्रगढ़ क्षेत्र को मिली 25.99 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासन की प्राथमिकता में शामिल नगरीय विकास को लेकर मनेंद्रगढ़ क्षेत्र के लिए एक और खुशखबरी सामने आई है। मुख्यमंत्री नगर उत्थान योजना, अधोसंरचना मद एवं सेंट्रल लाइटिंग मद अंतर्गत राज्य बजट से मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए कुल 25 करोड़ 99 लाख 82 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने चिरमिरी नगर क्षेत्र के लिए 25 करोड़ 99 लाख रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान करने हेतु मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा उपमुख्यमंत्री अरुण साव का आभार व्यक्त किया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि इन योजनाओं की स्वीकृति से गौरव पथ सड़क, बाईपास सड़क निर्माण, प्रकाश व्यवस्था एवं सेंट्रल लाइब्रेरी जैसे महत्वपूर्ण कार्य अब धरातल पर उतरेंगे, जिससे चिरमिरी के समग्र विकास के संकल्प को नई गति प्राप्त होगी।

यह स्वीकृति नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा प्रदान की गई है, जिसके अंतर्गत चिरमिरी नगर पालिका क्षेत्र के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वीकृत कार्यों में गोदरी पारा से डोमनहिल तक गौरवपथ निर्माण कार्य हेतु 2 करोड़ रुपये, वार्ड क्रमांक 8 बड़ा ग्राउंड से सिद्धबाबा मंदिर तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य हेतु 2 करोड़ 40 लाख रुपये, प्रकाश व्यवस्था हेतु 20 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950